दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 04 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :28 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नये भाजपा अध्यक्ष के चयन में और देरी संभव

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 259 | गाजियाबाद, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर जल्द ही सांसदों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे : रीजीजू

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रमुख विपक्षी दलों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रश्ताव का समर्थन करने के लिए अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है और इस संबंध में सांसदों के हश्ताक्षर कराने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि यह प्रश्ताव लोकसभा में लाया जाएगा या राज्यसभा में। लोकसभा के लिए कम से कम 100 सांसदों के हश्ताक्षर की आवश्यकता होती है। राज्यसभा के लिए कम से कम 50 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यह निर्णय लेने के बाद कि प्रश्ताव किस सदन में लाया जायेगा, हश्ताक्षर कराये जायेंगे। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगश्त तक चलेगा।

भारत में फिर बैन हुए 18 हजार से अधिक पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में सभी पाकिश्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कुछ समय पहले इन अकाउंट्स से बैन हटाया गया, जिससे देश की जनता में नाराजगी देखने को मिली। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। अब एक बार फिर पाकिश्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भारत में बैन लगा दिया गया है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला जारी है। रिपोर्ट्स के अनुसार भारत सरकार ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक के बाद एक बार फिर कड़ा कदम उठाते हुए 18 हजार से अधिक पाकिश्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर दिया है। हाल ही में मावरा होकेन, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे कई पाकिश्तानी कलाकारों और क्रिकेटरों के सोशल मीडिया प्रोफाइल भारतीय यूजर्स को दिखाई दे रहे थे।

नौसेना प्रमुख ने उपराष्ट्रपति को भेंट की छत्रपति शिवाजी की 'राजमुद्रा'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने गुरुवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर एडमिरल त्रिपाठी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक 'राजमुद्रा' की प्रतिकृति उपराष्ट्रपति को भेंट स्वरूप प्रश्तुत की। उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी गई। यह राजमुद्रा मराठा साम्राज्य की गौरवपूर्ण विरासत और प्रशासनिक दूरदर्शिता की प्रतीक मानी जाती है। इस पर अंकित संस्कृत श्लोक का अर्थ है, शाहजी के पुत्र शिवाजी की यह मुहर, सभी के कल्याण के लिए चमकती है, पहली रात के अर्धचंद्र की तरह, जो पूरे विश्व में निरंतर फैलती और पूजनीय है।

विकासशील देशों को साथ लेकर चले बिना दुनिया में प्रगति नहीं हो सकती : मोदी

✷ वेबवार्ता. अक्कारा ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की जरूरत पर बल देते हुए हुए कहा है कि विकासशील देशों को साथ लेकर चले बिना दुनिया में प्रगति नहीं हो सकती।

श्री मोदी ने गुरूवार को यहां घाना की संसद को संबोधित करते हुए कहा, " द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है, प्रौद्योगिकी में क्रांति, ग्लोबल साउथ का उदय और बदलती जनसांख्यिकी इसकी गति और पैमाने में योगदान दे रही है। "

उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की आवश्यकता है और विकासशील देशों को साथ लिए बिना प्रगति नहीं हो सकती।

पीएम ने कहा कि भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध स्वतंत्रता के साझा संघर्षों , लोकतंत्र और समावेशी विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि भारत और घाना के इतिहास में औपनिवेशिक शासन के निशान हैं लेकिन हमारी आत्मा हमेशा स्वतंत्र और निडर रही है।

उन्होंने कहा , " दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में,मैं अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। सच्चा लोकतंत्र

चर्चा और बहस को बढ़ावा देता है। यह लोगों को एकजुट करता है, सम्मान और मानवाधिकारों को बढ़ावा देता है। "

श्री मोदी ने कहा कि भारत के लिए लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं है बल्कि हमारे मौलिक मूल्यों का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था , नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत भारत एक अधिक स्थिर और समृद्ध दुनिया में योगदान देगा। उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा और घाना के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें दिये गये राष्ट्रीय सम्मान को स्थायी मित्रता का प्रतीक बताया। महान घानाई नेता - डॉ. क्वामे नक्रूमा के योगदान का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि एकता, शांति और न्याय के आदर्श मजबूत तथा स्थायी साझेदारी की नींव हैं। डॉ. नक्रूमा को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, " जो ताकतें हमें एकजुट करती हैं वे अंतर्निहित हैं और उन प्रभावों से बड़ी हैं जो हमें अलग रखती हैं।" श्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, महामारी और साइबर खतरों जैसी वैश्विक चुनौतियों का भी जिक्र किया और वैश्विक शासन में विकासशील देशों के महत्व को रेखांकित किया।

इस संदर्भ में उन्होंने भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 समूह में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किए जाने को भी महत्वपूर्ण करार दिया। प्रधानमंत्री ने घाना की जीवंत संसदीय प्रणाली की सराहना की और दोनों देशों की विधायिकाओं के बीच बढ़ते आदान-प्रदान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने घाना-भारत संसदीय मैत्री सोसायटी की स्थापना का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के देशवासियों के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत घाना की प्रगति और समृद्धि की यात्रा में उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

शहरी निकायों को अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए : ओम बिरला

✷ एनसीआर टुडे. गुड़गांव ✷

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि शहरी निकाय लोकतंत्र की बुनियाद हैं और जनता से सीधे जुड़े होते हैं। उन्हें संवाद और आदर्श प्रथाओं के जरिए अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। सदन नियमित चले, मुद्दों पर चर्चा हो, जवाबदेही सुनिश्चित हो, यही लोकतंत्र की सच्ची परंपरा है, जिसे हमें विकसित करना होगा।

ओम बिरला गुरुग्राम के मानेसर में शहरी निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती और जवाबदेह शासन के लिए शहरी स्थानीय निकायों को संवाद और आदर्श आचरण के जरिए सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि निकाय प्रतिनिधि जनता से सीधा संवाद करते हैं।

समस्या व संकट की सबसे पहली जानकारी इन्हें मिलती है। ऐसे में संवाद से इनका समाधान निकल सकता है। इसी सोच से संसद की संरक्षक की भूमिका को समझते हुए श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने की यह पहल की गई है। बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को उच्च श्तर पर ले जाना सभी की जिम्मेदारी है। शहरी क्षेत्रों में एक उत्तरदायी और पारदर्शी निकाय प्रणाली विकसित होनी चाहिए। सदन में प्रश्नोत्तर हों, मुद्दों पर चर्चा हो, बैठकें नियमित चलें—यह परंपरा विकसित की जानी चाहिए।

बाढ़ की चेतावनी में थोड़ी राहत; 10 स्थानों पर सामान्य से अधिक रहा नदियों का जल स्तर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश भर के उन विभिन्न हिस्सों में जहां बाढ़ की स्थिति बनी हुई है बृहस्पतिवार को हालात में मामूली सुधार हुआ और 10 नदी निगरानी केंद्रों पर जल श्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले ऐसे 12 केंद्रों पर जल श्तर खतरे के निशान से ऊपर था।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के दैनिक बाढ़ पूर्वानुमान बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। कोई भी जगह 'गंभीर' या 'उच्चतम' बाढ़ की स्थिति वाली श्रेणी में नहीं है।

हालांकि, इसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, ओडिशा और तमिलनाडु जैसे राज्यों में कई नदियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जहां नदियां खतरे के निशान से उपर बह रहीं हैं।

इससे पहले बुधवार को 12 नदी निगरानी केंद्रों को बाढ़ की स्थिति के लिए चिह्नित किया गया।

यह संख्या बृहस्पतिवार तक घटकर 10 रह गई और कुछ नदियों का जलश्तर घट गया, जिससे बाढ़ के खतरे से थोड़ी राहत मिलने का संकेत है। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में गंगा नदी का जलश्तर कुछ कम हुआ, हालांकि इसका वर्तमान श्तर 137.09 मीटर दर्ज किया गया, जो इसके चेतावनी श्तर 136.6 मीटर से अधिक है। उत्तर प्रदेश के ही एल्गिनब्रिज में घाघरा नदी खतरे के श्तर 105.28 मीटर के करीब पहुंच गई है।

इसमें कहा गया कि बृहस्पतिवार को 24 स्थलों के लिए अंतर्वाह जलप्रवाह पूर्वानुमान जारी किए गए। झारखंड में मैथन, कर्नाटक में कृष्णराजसागर और अपर तुंगा जैसी प्रमुख जलाशयों में उच्च अंतर्वाह का पूर्वानुमान है।

सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं : खरगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की चीन से संबंधित नीति को लेकर सवाल खड़े किए और कटाक्ष किया कि इस सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रिय नरेन्द्र मोदी जी, खबरों के मुताबिक़, चीन ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र से अपने अधिकारी वापस बुला लिए हैं।'

उन्होंने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मिनर्भर भारत' पर पूरी तरह नाकाम मोदी सरकार ने डोकलाम और गलवान भूलकर चीनी कंपनियों के लिए 'लाल कालीन' बिछाया था और चीनी नागरिकों के लिए वीजा जारी करना आसान कर दिया था, ताकि पीएलआई योजना में फ़ायदा मिले?

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'क्या यह सच नहीं है कि मोदी सरकार इस पर कोई क़दम नहीं उठा रही और चीनी अधिकारियों ने भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग तक को आधिकारिक नियुक्ति या सहमति नहीं दी है?' उनके मुताबिक, चीन ने पिछले दो महीनों में भारत को 'स्पेशलिटी' उर्वरक का निर्यात बंद कर दिया है, जबकि अन्य देशों को आपूर्ति जारी रखी है।

खरगे ने सवाल किया कि क्या इससे हमारे

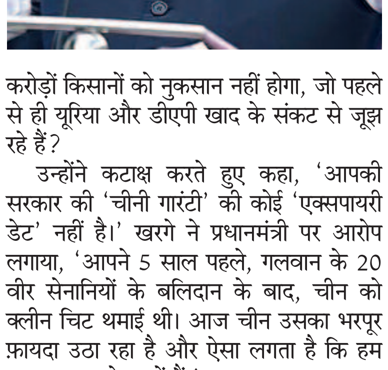

करोड़ों किसानों को नुकसान नहीं होगा, जो पहले से ही यूरिया और डीएपी खाद के संकट से जूझ रहे हैं?

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'आपकी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं है।' खरगे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया, 'आपने 5 साल पहले, गलवान के 20 वीर सेनानियों के बलिदान के बाद, चीन को क्लीन चिट थमाई थी। आज चीन उसका भरपूर फ़ायदा उठा रहा है और ऐसा लगता है कि हम हाथ मलकर देख रहें हैं।'

डालर के मुकाबले रुपया 31 पैसे मजबूत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में गुरुवार को रुपया अमेरिकी डालर के साथ 31 पैसे मजबूत हो कर 85.31 (अनंतिम) रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। रुपया प्रारंभ में नरमी दिखी लेकिन, ब्रेंट क्रूड की नरमी तथा अन्य प्रमुख एशियायी मुद्राओं के आगे अमेरिकी मुद्रा के नरम पड़ने से रुपये का रुख बदल गया।

विदेशी मुद्रा बाजार के कारोबारियों के अनुसार अमेरिका में गैर कृषि क्षेत्र के रोजगार बाजार के आज शाम जारी होने वाले साप्ताहि आंकड़ों से पहले डॉलर इंडेक्स – 96.832 के दायरे स्थिर था। न्यूयार्क जिंस बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 0.333 प्रतिशत नरम होकर 68.83 डालर प्रति बैरल के श्तर पर बोला जा रहा था। कारोबार के दौरार डालर 85.19 से 85.70 रुपये के दायरे में घट-बढ़ के बाद अंत में 85.31 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक श्रीराम अय्यर के अनुसार विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की बिकवाली के जोर और रुपये के प्रति कारोबारियों की धारणा में सुधार से स्थानीय मुद्रा को बल मिला।

बिहार में चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी, किसी से नहीं होगा गठबंधन; अरविंद केजरीवाल का ऐलान

✷ वेबवार्ता. गांधीनगर/नई दिल्ली ✷

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी की एंट्री होने वाली है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसका ऐलान किया है। केजरीवाल ने यह भी घोषणा की है कि राज्य में आम आदमी पार्टी बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ेगी।

गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन से अलग होने का भी ऐलान किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुरुवार को गुजरात के गांधीनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। बिहार में चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, "आम आदमी पार्टी इस बार बिहार में चुनाव लड़ रही है।"

इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'इंडिया अलायंस सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारी तरफ से कोई गठबंधन नहीं है।"

उन्होंने कांग्रेस पर भी जवाब दिया और कहा, "हमारा कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर कांग्रेस के साथ

हमारा गठबंधन होता तो वो लोग विसावदर (गुजरात की विधानसभा क्षेत्र) में क्यों चुनाव लड़े? वो विसावदर में हमें चुनाव हराने के लिए आए थे। बीजेपी ने विसावदर में कांग्रेस को हमें हराने के लिए भेजा था।"

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में इस बार चुनाव जीतने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि "हम गुजरात में चुनाव लड़ेंगे, चुनाव जीतेंगे और सरकार भी बनाएंगे।"

केजरीवाल ने कहा, "गुजरात में बदलाव का भरोसा अब हर गुजराती के दिल की आवाज बन चुका है। अब गुजरात जुड़ेगा, अब गुजरात बदलेगा।" 'आप' संयोजक ने पंजाब में भी दोबारा चुनाव जीतकर सरकार बनाने का दावा किया है।

अरविंद केजरीवाल के ऐलान पर आम आदमी पार्टी की बिहार इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "कार्यकर्ताओं, तैयार हो जाओ! बिहार में भी आप चुनाव लड़ेगी। बिहार के आप कार्यकर्ता और जनता केजरीवाल के ऐलान का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उनके ऐलान से बिहार में भारी जोश और उत्साह का संचार हो गया है।"

दिल्ली में चार से छह जुलाई तक होगी आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय राजधानी में चार से छह जुलाई तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारकों की बैठक होगी, जिसमें संगठनात्मक चर्चा के साथ संघ के सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने गुरुवार को यहां केशव कुंज में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस बैठक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में देशभर से 233 कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि संघ की संगठन रचना में कुल 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांत बनाए गये हैं। बैठक में संगठनात्मक चर्चा के अलावा सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। इसके अलावा सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सी आर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित सभी अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख, सह प्रमुख एवं

फाइल फोटो

कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेंगे।

श्री आंबेकर बताया कि संघ का प्रशिक्षण वर्ग पूरा करके जुलाई में सब एकत्रित होते हैं। अब तक 100 वर्गों का आयोजन हो चुका है। इसमें 40 वर्ष से कम उम्र के 75 वर्ग थे और 40-60 वर्ष के लोगों के लिए 25 वर्ग आयोजित किए गए।

उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण की दृष्टि से ये वर्ग काफ़ी महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जैसे संघ से जुड़े 32 संगठनों के संगठन मंत्री भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस साल संघ का शताब्दी वर्ष है, इसलिए शताब्दी वर्ष की योजना के बारे में चर्चा होगी। शताब्दी वर्ष में खंड, बश्ती और मंडल श्तर पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे और समाज के प्रमुख विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

आरएसएस के प्रचार प्रमुख ने बताया कि इस साल दो अक्तूबर को दशहरा है और इसी दिन संघ के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर महाराष्ट्र के नागपुर में शताब्दी वर्ष समारोह का प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि संघ का शताब्दी वर्ष समारोह दो अक्टूबर से शुरू होकर अगले साल यानी 2026 में विजयादशमी तक चलेगा। इस दौरान देश भर में हर शाखा पर विजयादशमी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इस दौरान गृह संपर्क का आयोजन होगा। स्वयंसेवक घर-घर जाकर संपर्क करेंगे और लोगों के संघ के उद्देश्यों की जानकारी देंगे। इसके अलावा पूरे देश में ज़िला श्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें आयोजित होंगी। सभी जिला केंद्रों पर अक्टूबर के बाद प्रमुख नागरिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

बीआईएस सर्टिफिकेशन से संबंधित कार्यशाला आज कलैक्ट्रेट में

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जिले के समश्त औद्योगिक संगठनों एवं इकाइयों को सूचित किया जाता है कि जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में भारतीय मानक ब्यूरो भारत सरकार द्वारा बीआईएस सर्टिफिकेशन से संबंधित एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन 4 जुलाई को सायं 4:00 बजे से कलैक्ट्रेट सभागार में किया जा रहा है। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो नोएडा कार्यालय के निदेशक विक्रांत, वैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक वीरेंद्र कुमार रावत और वैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक राकेश कुमार द्वारा बीआईएस में पंजीयन एवं सर्टिफिकेशन प्राप्त करने की प्रक्रिया की विश्तृत जानकारी दी जाएगी। संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार ने सभी औद्योगिक संगठनों एवं उद्यमियों से अनुरोध है किया है कि वे कार्यशाला में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग कर लॉक, हार्डवेयर और अन्य उत्पादों के निर्धारित मानकों एवं सर्टिफिकेशन प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वाछिंत अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना गभाना व रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त रुप से अभियुक्त शिवा पुत्र गंगासहाय व राजेश उर्फ चौटा पुत्र चन्द्रपाल निवासी ग्राम पला सल्लू थाना गभाना जिला अलीगढ़ हाल पता शमशाद मार्केट एकमीनार मस्जिद विलगिस बाग चाऊताल थाना सिविल लाईन अलीगढ़ को ओगर टावर से करीब 30 कदम रेलवे बाउड्री से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक हथोड़ा व एक पाइप रिंच बरामद हुई।

एसएसपी ने कार्यालय पर की जनसुनवाई

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा पुलिस कार्यालय पर प्रतिदिन की भाँति जनसुनवाई की गई एवं आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध त्वरित निश्तारण हेतु अधीनस्थों को दिशा-निर्देश दिये।

एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट प्रबल प्रताप सिंह राणा बने संगठन मंत्री

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। उत्तर प्रदेश फेडरेशन मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम कासिमपुर पावर हाउस के एग्जीक्यूटिव अस्सिटेंट प्रबल प्रताप सिंह राणा को संगठन मंत्री के पद पर मनोनीत कर उनका पटका पहना कर एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। नव नियुक्त संगठन मंत्री प्रबल प्रताप सिंह राणा द्वारा आश्वासन दिया गया कि उनके विभाग में लगभग 150 मिनिसट्रियल स्टाफ है जो संगठन के साथ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर साथ में खड़ा रहेगा। इस अवसर पर प्रवीन शर्मा, आलोक कुमार, संजय कुमार, विनोद कुमार समेत अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। परिवहन विभाग द्वारा अलीगढ़ शहर एवं इगलास क्षेत्र में की गई स्कूली वाहनों की चौकिंग

अब तक 122 वाहनों की हुई जांच छापामार कार्रवाई जारी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन के लिए स्कूलों में संचालित वाहनों की पूर्णतः जाँच (फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण) किये जाने के लिए जिले में 15 जुलाई तक विशेष चेकिंग अभियान संचालित है। सम्भागीय परिवहन अधिकारी दीपक शाह ने बताया कि 1072 पंजीकृत स्कूली वाहन हैं, जिसके सापेक्ष अब तक 122 वाहनों की जांच की गई है। जिसमें 14 वाहन मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। नियमों एवं मानकों का अनुपालन न करने वाले 15 वाहनों का चालान, 03 वाहनों को सीज एवं 11 हजार रूपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। अभियान के क्रम में गुरूवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) प्रवेश कुमार, यात्रीकर अधिकारी डॉ. ज्योति मिश्रा एवं मथुरा प्रसाद द्वारा सन्त फिदेलिस स्कूल में जाकर स्कूली वाहनों की जांच की गयी।

पुलिस ने गांजे की तस्करी करने वाले दो अभियुक्त किए गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में चोरी व लूट की घटनाओं की रोकथाम व तलाश वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ऑपरेशन प्रहार के तहत चौकिंग के दौरान अभियुक्तगण हरिश्चंद्र पुत्र बृजकिशोर व कोमल पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम कांका थाना इगलास जिला अलीगढ उम्र 35 बर्ष को डबल नहर पीली कोठी के सामने से 27 किलो 510 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। हरीशचन्द्र बघेल पुत्र बृज किशोर निवासी ग्राम कांका थाना इगलास जनपद अलीगढ़ ने पूछताछ पर बताया कि मैं ट्रक ड्राइवर हूँ जब भी गाडी लेकर उडीसा आन्ध्र प्रदेश जाता हूँ।

नूंह जिले के 115 गांवों को मॉडल गांव बनाने की योजना

नूंह, एजेंसी।
हरियाणा के नूंह जिले के निवासियों के लिए गुड न्यूज है। जल्द ही यहां के गांवों का कायाकल्प होने वाला है। नूंह जिला प्रशासन ने जिले के 115 गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इस कदम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रदीप अहलावत ने बताया कि इन गांवों में घर-घर से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था होगी। प्रत्येक घर को दो रंगों की डस्टबिन (हरी और नीली) दी जाएगी। पंचायत स्तर पर निगरानी समिति बनाई जाएगी और कचरा संग्रहण के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, कंपोस्ट खाद बनाने के लिए माइक्रो लेवल पर प्रबंधन केंद्र बनाए जाएंगे।

ग्रामीणों को गांवों और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने

के लिए नियमित कैंप और रैलियों का आयोजन किया जाएगा। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाएगी। हर घर में अलग-अलग डस्टबिन भी दिए जाएंगे।

नूंह जिले में सड़कों के सुधारीकरण का काम चल रहा =

रणबीर गंगवाल वार्ता के अनुसार, हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने सोमवार 30 जून को कहा कि नूंह जिले में इस समय करीब 106 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के सुधारीकरण का काम चल रहा है। साथ ही करीब 525 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के कामों की अप्रूवल मिल गई है, जिनका कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल के अंत तक जिला नूंह की सभी सड़कों को सुधारने का काम पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) के अधिकारियों से जिला में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली और सभी कामों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कों से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होती है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास का भी एक अहम आधार बनती हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी सड़कों का निर्माण तय समय सीमा में पूर्ण हो और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गुणवत्तापूर्ण सड़कों से आमजन का सफर सुगम और बेहतर होगा, साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

अब तो माफी मांग लें देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे: सांसद संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से माफी की मांग की है। उन्होंने यह माफी ठाकरे परिवार से मांगने के लिए कहा है। दिशा सालियन मौत मामले में मुंबई पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के द्वारा हत्या या किसी साजिश की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने के बाद आया है। एसआईटी की इस रिपोर्ट के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी नेताओं पर जोरदार हमला बोला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आदित्य ठाकरे से माफी मांगने की मांग की है। संजय राउत ने कहा, अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आदित्य ठाकरे से माफी मांगनी चाहिए। नारायण राणे के बेटे नितेश राणे, फडणवीस, बीजेपी के अन्य नेता, एकनाथ शिंदे सभी को आदित्य ठाकरे और शिवसेना से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। संजय राउत का आरोप है कि इन नेताओं ने दिशा सालियन की मौत वाले मामले में जानबूझकर आदित्य ठाकरे का नाम उछालकर चरित्र हनन किया। एसआईटी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दिशा सालियन की मौत एक दुर्घटना थी। गिरने से उनकी मौत हुई थी। जांच में किसी प्रकार की साजिश या आपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। जांच के दौरान सभी गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट और मोबाइल डेटा की जांच की गई है। दिशा सालियन दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मलाड स्थित इमारत से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। उस समय बीजेपी नेताओं ने दावा किया था कि इस मामले में बड़े नेताओं की संलिप्तता हो सकती है और नाम लेकर आदित्य ठाकरे को निशाना बनाया गया था। अब एसआईटी रिपोर्ट सामने आने के बाद शिवसेना (यूबीटी) बीजेपी को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित अभियान चलाने का दोषी ठहरा रही है।

ट्रैक्टर ने दो दूधियों को रौंदा मौके पर दोनों की मौत

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

गुरुवार की सुबह ट्रैक्टर की टक्कर से दो दूधियों की मौत हो गई। वहीं, परिजनों ने चालक पर ट्रैक्टर लापरवाही से हत्या का आरोप लगाया है। हादसे के बाद चालक फरार हो गया।

घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर हंगामा कर दिया। सूचना पर एसडीएम व सीओ सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया।

साथ ही पुलिस ने मृतको के शव को कब्जे मे लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए मोर्चरी भेज दिए। अकराबाद थाना इलाके के गॉव सिकंदरपुर का रहने वाला 32 वर्षीय बबलू पुत्र रामेश्वर दूध का काम करता था। परिवार में पत्नी सन्तोष देवी, तीन बेटी व एक साल का बेटा है।

सुबह गांव के रहने वाले 22 वर्षीय आलोक से सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहा था। तभी तेज रफ्तार ट्रेक्टर ने दोनों को रौंद दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक भाग गया। ग्रामीण एकत्र हो गए। दोनों के परिजन भी आ गए। गुस्साए परिजनों ने हंगामा कर दिया।

नानऊ-छर्रा रोड़ जाम कर दिया। सूचना पर इलाका पुलिस के अलावा एसडीएम कोल व सीओ बरला घटना स्थल पर आ गए। अधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगो को शान्त करवाया। साथ ही यातायात चालू करवाया। भाई रवि के अनुसार बबलू घर से बाइक द्वारा जलाली जाने के लिए निकला था। परिजनों का आरोप है कि राश्ते में चालक ने तेज व लापरवाही से ट्रैक्टर चलाकर उसके भाई बबलू व आलोक की हत्या की है।

आरोपी ट्रैक्टर चालक गांव का ही है। इस हादसे के बाद बबलू के चार बच्चों के सिर से पिता का साया हट गया। आगे बताया कि अलोक भी दूध का काम करता था। वह पांच भाइयों में चौथे नंबर का था। उधर, पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजकर जांच कर रही है।

जिले में अब तक 42347 दीदियां बनीं लखपति 177188 दीदियां स्वयं सहायता समूह से जुड़ी

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाली लखपति दीदी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए अंतर्विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला स्वयं सहायता समूहों की आय को बढ़ाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के तहत अधिक से अधिक लाभार्थियों को स्वरोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएं।

बैठक में सहायक विकास (आईएसबी) अधिकारियों समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने-अपने विभागों की योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी साझा की और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिले में प्रत्येक दीदी को सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय दिलाना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है।

इसके लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं का आपसी समन्वय आवश्यक है, ताकि प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, विपणन और तकनीकी सहयोग से महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा सके।

डीएम ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे ग्राम श्तर तक पहुंचकर स्वयं सहायता समूहों को जागरूक करें, उन्हें बाजार उपलब्ध कराएं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें।

उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित अनुश्रवण कर प्रगति रिपोर्ट प्रश्तुत करने के भी निर्देश दिए।

डीसी एनआरएलएम भाल चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जिले में 75 हजार 352 महिलाओं के विभिन्न विभागों के कन्वर्जेंस के द्वारा उनकी आय 01 लाख रुपये से अधिक ले जाकर लखपति के रूप में स्थापित करना था, जिसके सापेक्ष अब तक 42347 दीदी लखपति की श्रेणी में आ चुकी हैं। अब तक 897 सीआरपी का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही 12 हजार दीदियां लखपति की श्रेणी में आ जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिले में 16653 एसएचजी गठित हैं। 14389 को रिवॉल्विंग फण्ड, 11355 को सामुदायिक निवेश निधि, 11680 को बैंक ऋण प्रदान किया जा चुका है।

177188 दीदियां स्वयं सहायता समूह से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 510 दीदियां विद्युत सखी, 420 बीसी सखी और 1570 दीदियों को एफपीओ के माध्यम से लखपति की श्रेणी में लाने का प्रयास किया जा रहा है। शेष दीदियों का लखपति बिजनेस प्लान तैयार कर विभिन्न विभागों के कन्वर्जेंस के माध्यम से लखपति की श्रेणी में लाने की कार्ययोजना है।

जिले में 192 उद्यम सखियों को भी तैनात किया जा रहा है। बैठक में सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, डीडीओ आलोक आर्या, सीएमओ डा0 नीरज त्यागी, डीपीओ अजित कुमार, के.के. राय, अधिशासी अभियंता सिंचाई राजेन्द्र कुमार, सहायक आयुक्त उद्योग राजमन विश्वकर्मा, सीवीओ डा0 दिवाकर त्रिपाठी, एलडीएम राजेश सोनी, सहायक निदेशक मत्स्य प्रियंका आर्या, उप निदेशक कृषि अरुण कुमार, जिला मिशन प्रबंधक समीर शर्मा, मो0 असलम समेत अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उप्र का अध्यक्ष तय होने के बाद ही जेपी नड्डा के विकल्प पर लगेगी मुहर

लखनऊ, एजेंसी।
भाजपा ने सोमवार से लेकर बुधवार तक 9 राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है। इन राज्यों में यूपी से लगते उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार जैसे राज्य भी शामिल हैं, लेकिन सबसे ज्यादा आबादी वाले सूबे को अब भी इंतजार है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो गया है, लेकिन अब तक उनके विकल्प का इंतजार है। वहीं चर्चा यह भी है कि उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष तय होने के बाद ही जेपी नड्डा के विकल्प पर मुहर लगेगी। फिर भी उत्तर प्रदेश में पार्टी यदि अपने मुखिया का नाम तय नहीं कर पा रही है तो उसके कुछ कारण है। पहला कारण यह है कि सामाजिक समीकरण साधने के लिए मंथन हो रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के साथ ही केंद्र के साथ तालमेल बनाने वाले नेता की भी तलाश है। ऐसे में संतुलन वाले नेता की जरूरत है और उसकी तलाश के लिए मंथन चल रहा है। फिलहाल चर्चा में कई नाम हैं, जिनके सहारे भाजपा एक सॉफ्ट ध्रुवीकरण की संभावना पैदा करना चाहेगी। जैसे एक नाम धर्मपाल सिंह लोधी का भी चर्चा में है। वह

लोध समाज से हैं और गैर-यादव ओबीसी समाज को साथ लाने की कोशिशों के तहत भाजपा लंबे समय से इस समाज को बढ़ाती रही है। स्वर्गीय कल्याण सिंह लोधी समाज के बड़े नेताओं में गिने जाते थे। धर्मपाल सिंह लोधी साफ-सुथरी छवि के नेता हैं, लेकिन चर्चा है कि उन्हें प्रमोट करने से राजवीर सिंह को परेशानी हो सकती है। वह कल्याण सिंह के बेटे हैं और उनकी राजनीतिक विरासत पर भी दावेदारी रही है। एक और नाम चर्चा में है, वह हैं स्वतंत्र देव सिंह। पहले भी वह प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और उनकी सीएम योगी आदित्यनाथ से भी करीबी रही है। ऐसे में संतुलन के लिहाज से वह अच्छा नाम हो सकते हैं। वह पिछड़े समाज से भी आते हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी की ओर से लगातार पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का नारा दोहराया जा रहा है। ऐसे में भाजपा नहीं चाहती कि सामाजिक समीकरण साधने में कोई कसर रह जाए। चर्चा यह भी है कि किसी दलित नेता को ही मौका दिया जाएगा। इन नेताओं में रामशंकर कठेरिया की भी चर्चा है। अहम बात यह है कि भाजपा किसी एक नेता का ही प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए नामांकन कराएगी और फिर उसकी घोषणा हो जाएगा।

नौकरी से निकाला तो बन गए चोर, नोएडा के बस अड्डों-मेट्रो स्टेशन में यात्रियों को ऐसे देते थे चकमा

नोएडा, एजेंसी।
सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने बस अड्डों, मेट्रो स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर राहगीरों के मोबाइल फोन छीनने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर सरगना समेत तीन आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बैग से कीमती सामान भी चुराते थे। डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि पुलिस की टीम सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सोम बाजार के पास चेकिंग कर रही थी, तभी उधर से स्कूटी सवार तीन व्यक्ति गुजरे। तीनों सेक्टर-49 रेड लाइट की तरफ से आ रहे थे। पुलिस ने संदिग्ध लगने पर तीनों को रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखते ही तीनों स्कूटी से तेजी से भागे,पर उन्हें थोड़ी ही दूर पर दबोच लिया गया। उनकी जब तलाशी ली गई तो तीनों के पास से लूट के 10 मोबाइल, तमंचा और चाकू मिले। आरोपियों की पहचान दिल्ली सरिता विहार के जनता फ्लैट निवासी अमित बहादुर उर्फ भोलू, मधुबनी बिहार निवासी कृष्णा और फिरोजाबाद के नसीर निवासी रोहित यादव के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि तीनों लूट और चोरी करने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। गिरोह का

सरगना अमित बहादुर है। वह मथुरा, दिल्ली और अन्य जनपद में छिनैती और चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है। पूछताछ में उसने बताया कि गिरोह के सदस्य स्कूटी से निकलकर बस अड्डे, मेट्रो स्टेशन या अन्य भीड़भाड़ वाले स्थान पर यात्रियों को टारगेट करते। फिर उनके बैग या जेब से कीमती फोन चुरा लेते। उसके बाद शाम ढलते ही पैदल टहलने वाले या दफ्तर से घर की ओर जाने वाले लोगों के फोन छीनकर फरार हो जाते। सरगना अमित बहादुर 12वीं पास है। कृष्णा दसवीं और रोहित यादव पांचवीं पास है। एडिशनल डीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि गिरोह के सभी सदस्य वर्तमान में बेरोजगार हैं।

पाकिस्तान कैसे बन गया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष, कांग्रेस ने उठाए सवाल

बेंगलुरु, एजेंसी।
कांग्रेस ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण पद मिलने पर बुधवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा है कि पाकिस्तान को यह पद मिलना भारत की विदेश नीति की विफलता है। कांग्रेस ने इसे भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका भी बताया। इसी पहले पाकिस्तान ने मंगलवार को जुलाई के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाली है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की यह अध्यक्षता, यूएनएससी के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान के दो साल के कार्यकाल का हिस्सा है। पाकिस्तान की

अस्थायी सदस्यता जनवरी 2025 में शुरू हुई है।

इसके अलावा इस दौरान पाकिस्तान तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा और संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद रोधी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेगा। पाकिस्तान को इन अहम पदों की जिम्मेदारी मिलने पर विपक्षी दल कांग्रेस ने पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को घेरा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, ''आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को अब वैश्विक सुरक्षा का ठेकेदार बना दिया गया है। अब शैतान ही कुर्सी पर बैठा है।''

सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है जिसका आतंकवादियों को शरण देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में आतंक फैलाने का इतिहास है और ऐसे में उसे वैश्विक नेतृत्व की भूमिकाएं दी जा रही हैं, जबकि भारत आज भी पाक प्रायोजित आतंकवादी हमलों का सामना कर रहा है। सुरजेवाला ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर विदेश नीति पर दिखावटी वादें करते है और वे इस परिणाम को रोकने के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने में विफल रहे। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं।''

उन्होंने भारत के पारंपरिक कूटनीतिक संबंधों में आई 'गिरावट' पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा, ''हमारे पुराने और विश्वसनीय सहयोगी, वे संबंध जो कांग्रेस ने सालों में एशिया और पड़ोसी देशों में बनाए थे, अब हमसे दूर हो गए हैं। आज हम अलग-थलग पड़ गए हैं। यहां तक कि मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे छोटे देश भी अब हमारे साथ नहीं खड़े हैं।'' सुरजेवाला ने कहा, ''कूटनीति केवल फोटो खिंचवाने और दिखावे से नहीं चलती।''

घर में घुसकर किशोर के साथ मार-पीटा, शिकायत के बाद जांच शुरू

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। गांव मानकी निवासी महिला ने बताया कि बुधवार को घर के बाहर चार युवक शराब पीकर गाली-गलौज कर रहे थे। इस पर 15 वर्षीय पुत्र ने विरोध किया। इससे नाराज युवक घर में घुस आए और बेटे की पिटाई कर दी। इसमें बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़िता ने गुरुवार को थाने में तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर उमेर, आवेज, शावेज और रिहान के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नगर में निकाला गया मोहर्रम का मातमी जुलूस

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर में मोहर्रम की सात तारिक को हजरत अब्बास अलमदार की शहादत पर निकलने वाला मातमि जलूस गुरुवार की दोपहर अपने निर्धारित समय पर नगर की बड़ी सब्ज़ी मंडी शितथ सफदर वाली मस्जिद से मातम के साथ शुरू हुआ।जिसमे सोगवारों ने हज़रत अलम की शहादत को बयान करते हुए उसपे अपने ग़म का इज़हार करते हुए मातम किया। इस मौके पर अकबरपुर से आए मौलाना कुमैल अब्बास रिज़वी ने कर्बला में हुई शहादत इमाम हुसैन और उनके सहाबाओ के बारे में बयान किया।अलम मुबारक का जलूस नगर के मोहल्ला मुगलान सफदर वाली मस्जिद से पुलिस की कड़ी सुरक्षा में शुरू होकर इमाम बारगाह किला होता हुआ जामा मस्जिद,बड़ी सब्जी मंडी, मोहल्ला अकाबरान, काज़ी सारय, लुहारी सराय, शाहज़हीर, सरायमीर शितथ पहुंचने के बाद मोहल्ला बिश्नोई सराय, खजूर वाली मस्जिद नालबंदान होता हुआ बाजार बारादरी शितथ सलीम रिज़वी के यहां पहुंचकर संपन्न हुआ।

महिला अधिवक्ता से छेड़छाड़ के आरोप में दानिश कोबरा गया जेल

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। महिला अधिवक्ता से छेड़छाड़ करने वाले मनचले को भेजा गया जेल पूर्व और मौजूदा अध्यक्ष से नजदीकी भी नहीं करा पाई बेल।बीती रात स्थानीय सियासी गलियारों में उसे समय चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया ।जब पूर्व और मौजूदा अध्यक्ष के धूम छाले पर एक गैर संप्रदाय की महिला अधिवक्ता ने उस पर छेड़छाड़ और जबरन नंबर देने का आरोप लगाया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच की तो आप सत्य पाया गया। इसके बाद रात में ही आरोपी मनचले दानिश कोबरा पुत्र नासिर निवासी हाता पर संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज कर आज उसको जेल भेज दिया गया। घटना के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच गई। क्योंकि आरोपी मौजूदा अध्यक्ष का खास आदमी माना जाता था। लेकिन लालच में आकर हाल ही में उसने पाल बदला और दूसरे खेमे में चला गया। इसके अलावा इससे पहले भी उस पर लड़ाई झगड़ों के आरोप लगाते रहे हैं।

असपा के कार्यकर्ताओं ने अनस मरगूब, काशिफ रज़ा सिद्दीकी, व शादाब अहमद को शाल उड़ाकर किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। असपा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज एक गरिमामय समारोह में समाजसेवा, नेतृत्व और क्षेत्रीय विकास में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों को हाजी भैया के निवास स्थान पर शाल उड़ाकर किया सम्मानित। जहाँ बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने सम्मानित व्यक्तियों को शाल उड़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। असपा पार्टी के नगर अध्यक्ष क़ामिल चौधरी ने कहा कि यह सम्मान उन लोगों को दिया जा रहा है, जिन्होंने समाज हित में उत्कृष्ट कार्य किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी हमेशा ऐसे व्यक्तियों को प्रोत्साहित करती रहेगी जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहे हैं। वहीं पार्टी के कार्यकर्ता समीर सिद्दीकी ने कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित लोगों को पार्टी और आयोजकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में समाजसेवा की दिशा में और अधिक योगदान देने का संकल्प लिया। इस मौके पर उपस्थित रहे। समीर सिद्दीकी, कमर भैय्या, ओर नगर अध्यक्ष कामिल चौधरी, सुभान रविउद्दीन रफ़ी सिद्दीकी वसीम अहमद फैसल चौधरी मो अली फहीम घोसी सलीम मलिक नदीम। भाई मो नूर मामा ने आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी कार्य की चर्चा और पार्टी के लिए आने वाले समय के तैयार रहने के लिये चर्चा हुई।

दमकल विभाग को 15, 18 और 22 हजार लीटर का वाटर बाउजर मिलेंगे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दमकल विभाग को जल्द ही 15 हजार लीटर क्षमता का वाटर बाउजर मिलेगा। अगले महीने तक इसके आने की उम्मीद है। इसके बाद अगले छह माह में 18 हजार लीटर और 22 हजार लीटर के वाटर बाउजर भी मिलेंगे।

इनकी मदद से औद्योगिक क्षेत्रों में लगने वाली बड़ी आग को जल्दी बुझाने में मदद मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्रों की इकाइयों में अक्सर आग की बड़ी घटनाएं होती हैं। फैक्टरियों में रखी ज्वलनशील सामग्री और केमिकल के चलते इस आग को बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है और कई बार हादसे भी हो चुके हैं। अभी दमकल विभाग के पास जिले में 12 हजार लीटर का सिर्फ एक वाटर बाउजर है।

बाकी सभी पांच हजार लीटर इससे कम क्षमता के हैं। इसीलिए प्रदेश सरकार औद्योगिक नगरी गाजियाबाद समेत समेत सभी प्रमुख जिलों को अधिक क्षमता के वाटर बाउजर देगी।

अगले महीने 15 हजार लीटर का वाटर बाउजर गाजियाबाद को मिल जाएगा। इसके बाद 18 हजार लीटर और 22 हजार लीटर क्षमता के दो और बाउजर मिलेंगे। इनके मिलने से बड़ी आग को जल्द से जल्द काबू पाने में मदद मिलेगी। 15 हजार लीटर का वाटर बाउजर लगभग तैयार है।

वहीं बाकी दोनों के डिजाइन का काम भी लखनऊ में जोर-शोर से चल रहा है। दमकलकर्मियों की मुश्किल भी होगी कम भीषण आग को बुझाने में दमकलकर्मियों को धुएं और आग की लपटों से सामना करना पड़ता है।

बड़े अग्निकांडों में छोटी गाड़ी को पानी लेने के लिए बार-बार भेजना पड़ता है। इसमें समय अधिक लगता है और दमकलकर्मियों को ज्यादा समय तक आग के सामने रहना पड़ता है। इससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

बड़े वाटर बाउजर से आग पर लंबे समय तक पानी फेंका जा सकेगा। दोबारा भरने के लिए ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और आग जल्दी बुझाई जा सकेगी।

झुग्गियों की आग में भी नुकसान होगा कम गाजियाबाद में बड़े पैमाने पर अलग-अलग इलाकों में झुग्गियां हैं। इनमें आग लगने पर अक्सर बड़ा हादसा होता है। सैकड़ों की संख्या में एक साथ झुग्गियां जल जाती हैं।

बड़े बाउजर से झुग्गियों की भी बड़ी आग को समय रहते बुझाया जा सकेगा। इससे नुकसान भी कम होगा और लोगों की जान बचाई जा सकेगी।

आग की बड़ी घटनाएं 6 अप्रैल 2025 : औद्योगिक क्षेत्र साइट दो के हर्षा कंपाउंड में दो फैक्टरियों में आग लग गई थी। इसे बुझाने में 12 गाड़ियों को पांच घंटे लग गए थे। 4 जुलाई 2024 : साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित इलेक्ट्रिकल्स की फैक्टरी में लगी आग दो दिन में बुझ पाई थी।

इसमें दमकल की 15-16 गाड़ियां दिन रात जुटी रही थीं। 2 जुलाई 2022 : रमते राम रोड स्थित दोने व गिलास बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने पर इसे नौ घंटे में बुझाया जा सका था। इसमें 10 गाड़ियों को लगाया गया था। अगले महीने 15 हजार लीटर का वाटर बाउजर मिल जाएगा।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल सिंह ने बताया कि 18 हजार और 22 हजार लीटर के बाउजर पर भी काम चल रहा है। अगले छह महीने में ये दोनों भी मिल जाएंगे। इनसे बड़ी आग बुझाने का काम प्रभावी तरीके से जल्दी हो सकेगा।

डी. एम. साहिबा जी जरा इधर भी गोरी करे गौशाला में भूख से तड़प रही गाय माता

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

गौशाला में आए दिन भूख से तड़प - तड़प कर गौवंश अपनी जान गंवाने को मजबूर हैं। लेकिन विभागीय अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी खामोश व मौन बने हुए हैं। और इस गौशाला प्रबंधक के विरुद्ध आज तक कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है।

तहसील क्षेत्र के गांव जाफरपुर पंचायत से जुड़े गांव भोजावाला में बनी गौशाला में आए दिन भूख से तड़प - तड़प कर गौवंश अपनी जान गंवाने को मजबूर हैं। वहाँ मौजूद देखरेख कर रहे के टेकर होशराम पाल सिंह व गौशाला में मौजूद मजदूरों रतन सिंह, छत्रपाल सिंह, मनोज कुमार, हेमवती, संगीता, सीमा सहित आदि वहां मौजूद तो रहते हैं।

लेकिन समय रहते उन सभी गायों को पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचित नहीं कर पाते हैं कि वह गाय बीमार भी है। उनका कहना हैं कि हमने गौशाला के प्रबंधक को गाय के मृत होने व बीमार होने की खबर सूचना प्रबन्धक को समय-समय पर देते रहते हैं। लेकिन कुलवेंद्र द्वारा विभागीय अधिकारियों को सूचना नहीं दी जाती हैं। उधर मिली जानकारी के अनुसार गौशाला का प्रबन्धक कुलवेंद्र निवासी गांव लालवाला जो कि अपने आपको गौ सेवक कहता है।

लेकिन गौशाला में आकर तक नहीं घूमता है और इन साहब का घर गौशाला से क़रीब 50 किलोमीटर की दूरी पर हैं। जो कि इस कारण से इस गौशाला की ओर आकर भी नहीं घूमते हैं। जिसने इस गौशाला को एक समिति जिसका नाम श्याम गौशाला समिति के नाम पर अपने नाम किए हुए हैं। जिसका लाभ सरकार से वह बराबर उठा तो रहा है।

लेकिन खाने के नाम पर दिखावे के लिए सूखा भूसा जो कि 1 दिन की खुराक के लिए भी पर्याप्त नहीं है। इसी के साथ इस गौशाला में पल रही गाय भूखे रहकर हर रोज बीमार होकर तड़प - तड़प कर अपनी जान गवा रही है।

स्कॉर्पियो कार सड़क किनारे पलटी

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

ग्राम सरकथल माधो के समीप पेट्रोल पंप के सामने आज देर शाम स्योहारा की ओर से तेज

रफ्तार के साथ आने वाली काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी नंबर UK07FJ 6786 सामने से आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई।

जिसको देखने के लिए मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर धामपुर थाने में तैनात रानी बाग चौकी के प्रभारी एस.आई प्रदीप कुमार तथा एस.आई रवि तोमर हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे।

घटना के संबन्ध में पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय कुमार पांडे द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी तेज रफ्तार के साथ स्योहारा की ओर से आ रही थी।

जो सामने से आ रही किसी बाइक को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की कोई खबर नहीं है। गाड़ी कौन चला रहा था तथा गाड़ी में कितने लोग सवार थे? इसकी कोई जानकारी पुलिस द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है। पुलिस द्वारा गाड़ी को कब्जे में लेकर खड़ी कर लिया गया है।

दो बेटियां होने पर पति ने तीन तलाक दिया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की नसबंदी कालोनी में रहने वाली महिला को पति ने तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अंकुर विहार बुद्धनगर कालोनी में याकूब रहते है। उन्होंने बताया कि बेटी सामा की शादी वर्ष 10 में अलीगढ़ निवासी सलमान से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति व ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज लाने की बात कहकर प्रताड़ति करने लगे थे।

समय बीतने के साथ साथ बेटी दो पुत्रियों की मां बन गई। जिसपर ससुराल पक्ष के लोगों को अत्याचार बढ़ गया। उन्होंने बताया कि कुछ समय पूर्व दामाद सलमान ने ससुर राजुद्दीन, सास मुन्नी व ननद मुस्कान ने एक साथ मिलकर बेटी के साथ मारपीट की। जिसके बाद दामाद ने बेटी का तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया।

जिस पर वह बेटी को अपने साथ ले आये। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी के साथ मारपीट कर बच्चे के साथ घर से निकाला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की उत्तम विहार कालोनी में रहने वाली महिला के साथ पति व ससुराल के लोगों ने मारपीट कर बच्चे के साथ घर से निकाल दिया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। उत्तम विहार कालोनी में मुबीना रहती हैं। उन्होंने बताया कि चार वर्ष पहले उनका विवाह लोनी थाना क्षेत्र की प्रेम नगर कालोनी में रहने वाल मोहम्मद उमर से हुआ था।

विवाह में पिता ने सामर्थ्य के अनुसार पैसे खर्च किये थे। बावजूद इसके पति व ससुराल पक्ष के लोग दहेज कम लाने की बात कहते हुए उन्हें प्रताड़ित करते थे।

कुछ समय बाद उन्हें एक बेटा हुआ लेकिन सुसराल पक्ष का रवैया नहीं बदला। ससुराल पक्ष के लोग एक लाख रुपये व बाइक की मांग करने लगे। आरोप है कि जब वह दूसरी बार गर्भवती होने पर ननद शबनम व शिबा ने दूध में गर्भपात की गोली मिलाकर दे दी। जिससे उनकी हालत बिगड़ गई।

उन्होंने मामले की शिकायत पति से की तो पति व ससुराल वालों ने उनकी पिटाई कर बेटे के साथ घर से निकाल दिया। पुलिस अधिकारियों ने पति को समझाने का प्रयास किया।

बावजूद इसके पति व ससुराल पक्ष के लोग उन्हें रखने को तैयार नहीं हुए। जिसपर उन्होंने पति उमर चार ननद शबनम, शिफा, मदीना तहसीम व बिचौलिया सज्जाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर पति समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नौ हल्का और चौकियों पर नए प्रभारियों की तैनाती हुई

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

डीसीपी सिटी ने बुधवार को 11 उपनिरीक्षकों के तबादले कर दिए। तबादला सूची के मुताबिक आठ चौकियों तथा एक-एक हल्का और पिंक बूथ पर नए प्रभारियों की तैनाती हुई है। इसके अलावा डीसीपी ने नगर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक को अपना पीआरओ बनाया है।

पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ ने बीते दिनों एक ही जोन में तैनाती की समयावधि निर्धारित की थी। कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, उपनिरीक्षक तथा निरीक्षक के लिए अलग-अलग समयावधि तय की गई थी।

इसी क्रममें गाजियाबाद कमिश्नरेट के तीनों जोन से पुलिसकर्मी इधर से उधर किए गए थे।

इस प्रक्रिया में कई चौकियों, हल्कों और पिंक बूथ के प्रभारियों के भी तबादले हुए थे, जिसके बाद से वह रिक्त चले आ रहे थे।

डीसीपी सिटी ने रिक्त चल रहे हल्के, चौकियों और पिंकबूथ पर तैनाती के लिए बुधवार को 11 उपनिरीक्षकों के तबादले किए। इसके तहत आठ चौकियों, एक हल्का तथा एक पिंक बूथ पर नए प्रभारी की तैनाती की गई है।

तबादला सूची के मुताबिक नंदग्राम थाने में तैनात उपनिरीक्षक विनीत चौधरी को विजयनगर की प्रताप विहार चौकी का प्रभारी, सिहानी गेट थाने में तैनात उपनिरीक्षक कुलवंत सिंह को सिहानी गेट थाने की ही लोहिया नगर चौकी का प्रभारी, नगर कोतवाली में तैनात सतेंद्र कुमार को कैला भट्ठा चौकी का प्रभारी, नंदग्राम थाने में तैनात उपनिरीक्षक विक्रांत सिंह को मोरटा चौकी का प्रभारी, नंदग्राम थाने में तैनात उपनिरीक्षक विकास कुमार को कविनगर थाने की लोहा मंडी चौकी का प्रभारी, मधुबन बापूधाम थाने में तैनात उपनिरीक्षक राहुल दीक्षित को कविनगर की राजनगर सेक्टर-नौ चौकी का प्रभारी, विजयनगर थाने में तैनात उपनिरीक्षक संजीव कुमार को नगर कोतवाली की नया बस अड्डा चौकी का प्रभारी तथा विजयनगर थाने में तैनात मनोज कुमार को कविनगर की कचहरी चौकी का प्रभारी बनाया गया है।

डीसीपी ने अपने पीआरओ मानवेंद्र सिंह को सिहानी गेट थाने के पुराना बस अड्डा हल्के का प्रभारी तथा सिटी जोन में तैनात महिला उपनिरीक्षक जूली सिंह को पुराना बस अड्डा पिंक बूथ का प्रभारी बनाया है। इसके अलावा डीसीपी सिटी ने नगर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक देवेश कुमार को अपना पीआरओ बनाया है।

कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रद्धांजलि दी

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। शालीमार गार्डन स्थित टू मीडिया स्टूडियो में देवप्रभा प्रकाशन ने काव्य संगोष्ठी आयोजित की।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना (ई–टेंडरिंग द्वारा)

संकेत एवं दूरसंचार विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नई दिल्ली

कार्य का नाम तथा स्थान	Delhi Division के 'A' रूट पर AFTC (ऑडियो फ्रीक्वेंसी ट्रैक सर्किट) को DUAL MSDAC (मल्टी–सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर) से बदलने के संबंध में सिग्नलिंग का काम (लेकिन MSDAC की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग इसमें शामिल नहीं है)।		
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	5,09,58,691.15 / –	धरोहर राशि (₹)	4,04,800.00 / –
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055		
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय 02.07.2025 / निविदा खुलने का दिनांक 24.07.2025 15:00 बजे तक		
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055		

निविदा संख्याः 558-Sig-16-M-TENDER-1446 दिनांकः 02.07.2025 2002/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सुकरो नदी के पुल का संपर्क टूटने से आना जाना हुआ दुशवार

✷ एनसीआर टुडे. रायपुर सादात ✷

रायपुर -साबू वाला के बीच नदी के पानी के तेज बहाव से सड़क में गहरा गड्ढा होने से यात्री की बस फंस गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे बस को बड़ी मुश्किल से निकला गया।

बताते चले कि वर्षा के अधिक पानी के अचानक आ जाने के कारण रायपुर कोटद्वार रोड पर साबू वाला के बीच बने सुकरो नदी के पुल की एप्रोच रोड टूट जाने से यात्रियों के लिए आना जाना कठिन हो गया है। देर शाम कोटद्वार बॉर्डर से नगीना के लिए चली प्राइवेट बस जफरा और साबू वाला के बीच नदी के पानी के तेज बहाव से सड़क में गहरा गड्ढा होने से यात्रियों की बस फस गई।

बस में करीब 50 यात्री सवार थे 2 घंटे की मशक्कत के बाद किसी तरह चालक परिचालक ने पानी से बना गड्ढे को पत्थरों से भरकर बस को निकालने में कामयाबी हासिल की। नगीना से रायपुर होते हुए कोटद्वार बॉर्डर तक प्राइवेट बसों का संचालन होता है। रोजाना हजारों लोग इसी मार्ग से अपनी यात्रा करते हैं।

प्रातः 8:00 बजे रायपुर सादात क्षेत्र के सैकड़ो दैनिक मजदूर इन्हीं बसो से कोटद्वार उत्तराखंड जाकर अपनी रोज़ी रोटी कमाते हैं ।ग्राम साबू वाला तथा ढ़किया 52 सराय के बीच सन 2022 में बना नवनिर्मित नदी का पुल की एप्रोच रोड पानी के तेज बहाव में प्रतिवर्ष टूट जाती है। इस बार भी वर्षा की पहली बारिश ने एप्रोच रोड को काफी गहराई तक तोड़ दिया था। छोटे बड़े वाहन तथा यात्री बसों का संचालन पुंल के नीचे से होकर नदी के राश्ते कृषकों के खेतों से होकर के लोग नदी पार करके ट्रैक्टर ट्राल्यो की मदद से आना-जाना कर रहे थे। लेकिन पुंल के आसपास नदी के किनारे कृषकों के खेतों से होकर जो वाहन निकल रहे थे उन्होंने कृषकों की फसल को चौपट कर दिया था।

कृषकों ने अपनी फसल का नुकसान होता देख नदी के किनारे अपने खेतों में एक गहरी खंदक खोद दी ।ताकि उनके खेतों से वाहनों का आना-जाना ना हो और उनकी फसल सुरक्षित रहे।

बुधवार को बीती सांय 6:45 कोटद्वार बॉर्डर से नगीना कोटद्वार टांडा के बीच चलने वाली प्राइवेट बस यात्रियों को बैठा कर कोटद्वार नजीबाबाद मार्ग पर जफरा चौकी के सामने से ग्राम साबू वाला जाने वाले कच्चे मार्ग पर जंगल के राश्ते में नदी नाले पड़ते हैं। जैसे ही जाफरा और साबू वाला के बीच प्राइवेट बस पहुंची तो नदी के पानी के तेज बहाव से नदी के किनारे गहरा गड्ढा हो गया था।

बस उसमें फस गई देर शाम होने की वजह से जंगल का डर यात्रियों को सताने लगा। क्योंकि इस जंगल में जंगली जानवरों का बसेरा रहता है। दो घंटे तक यात्री तथा चालक परिचालक बस को निकालने की कोशिश करते रहे। लेकिन बस टच से मच नहीं हुई किसी तरह गड्ढे को नदी से पत्थर चुन करके भरा गया।

तब जाकर किसी तरह यात्री बस नदी से निकल पाई ।तब लोगों ने राहत की सांस ली जाफरा साबू वाला के बीच बस के आने का कारण साबू वाला तथा कोट कादर व टांडा माई दास की सवारी बस में बैठी थी ।जिस वजह से बस को इस राश्ते से चालक लेकर आया। भारी वर्षा होने के कारण कोटद्वार जाने के लिए लोगों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो रही है ।साबू वाला के पुल की एप्रोच रोड ना बन पाने पर भारी परेशानी का सबब बना हुआ है ।

जंगल के रास्ते दूसरे गांव जाने को मजबूर हैं देश का भावी कर्णधार

एनसीआर टुडे. नगीना। कोतवाली ब्लॉक क्षेत्र के गांव अलीपुर मिठुन में आज भी एक ऐसा स्कूल है जहां स्कूली बच्चें एक गांव से जगंल के राश्ते से होकर दूसरे गांव में स्कूल जाने को मजबूर है जबकि गांव के भीतर ही एक विद्यालय मौजूद है।

लेकिन सरकार की योजना के तहत एक विद्यालय को दूसरे विद्यालय से जोड़कर उसे उसमें युग्मित कर दिया गया है जिस गांव के बच्चे अपने गांव को छोड़कर दूसरे गांव के स्कूल में अपनी शिक्षा दीक्षा ग्रहण करने को जाने को मजबूर हैं। बुधवार को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी को शिकायत कर कहा कि राश्ते में घने जंगल पढ़ते हैं जिसमें आए दिन गुलदार देखे जाते हैं और छोटी बड़ी घटनाएं हर रोज होती रहती हैं।

उसे कारण ब्राह्मणों को लगता है अगर हमारे गांव के बच्चे दूसरे गांव के स्कूल में अपनी शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं तो वह अपनी मौत से खिलवाड़ करना होगा इसी के साथ ग्रामीणों ने शिकायत जिलाधिकारी में उप जिलाधिकारी महोदय से अपने गांव के स्कूल को योजना के अंतर्गत निर्मित करने वाले प्रक्रिया को वापस करने की मांग और कहां है।

ऐसा करने से हमारे बच्चे अपनी शिक्षा व उनका भविष्य सुनहरा होगा दिए गए शिकायटी पत्र शैलेश कुमार, सचिन कुमार प्रेम सिंह नरेश कुमार बबलू कुमार सुरेश सिंह विपिन, रोहतास, सक्षम, रामपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, रोहित कुमार, उदयराज सिंह, तेजपाल सिंह, हरि सिंह, अमित, अजीत पाल, राहुल पाल, अजय पाल, धनीराम, अर्जुन सिंह, ओम प्रकाश, भीम सिंह, अंकित, घनश्याम, अजय सिंह, सूरज सिंह, बिरजू कुमार, चंद सिंह, रामकुमार, सुभाष कुमार, कपिल, रतन सिंह, नार्वे सिंह, चंद्रपाल सिंह, राजेंद्र राजेश, दिलीप सिंह, विजय कुमार, राजपाल सिंह, कृष्ण कुमार, शेर सिंह, मनीष कुमार, उमेश कुमार, राजेंद्र सिंह, लक्ष्मी, पूनम, बिना, रूबी, सोनम व जग्गो, ओमवती, सरिता, कमलेश सहित अंसी पूनम आदि सैकड़ों ग्रामीणों के हश्ताक्षर मौजूद हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

रेलगाड़ी सं. 05317/05318 छपरा जं.-आनंद विहार ट.-छपरा जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05317		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05318	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:45	छपरा जं.	10:00	----
12:30	----	आनंद विहार ट.	----	15:00

चलने के दिन : 05317 छपरा जं. से दिनांक 05.07.2025 एवं 12.07.2025 को और 05318 आनंद विहार ट. से दिनांक 06.07.2025 एवं 13.07.2025 को।

ठहरावः सीवान जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली जं. एवं मुरादाबाद जं. स्टेशन

स्थानः सामान्य

रेलगाड़ी सं. 05062/05061 टनकपुर-मथुरा जं.-टनकपुर विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी का अछनेरा जं. तक विस्तार — 40 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05062		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05061	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	04:35	टनकपुर	23:35	----
06:55	06:57	बरेली जं.	20:35	20:37
12:30	----	अछनेरा जं.	----	15:50

चलने के दिन : 05062 टनकपुर एवं 05061 अछनेरा जं. से दिनांक 31.07.2025 तक (बुधवार एवं रविवार को छोड़कर सप्ताह में 5 दिन) को।

ठहरावः खटीमा, पीलीभीत जं., भोजीपुरा जं., इज्जतनगर, बरेली सिटी, बरेली जं., बदांयू, उझानी, सोरों, कासगंज जं., सिकन्दरा राव, हाथरस सिटी, मथुरा छावनी और मथुरा जं. स्टेशन।

अन्य विवरण पूर्ववत् रहेंगे।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2010/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

संवेदना से सशक्तिकरण तक: भारतीय नारी की विकास-यात्रा!

भारत की आत्मा नारी शक्ति में बसती है। एक सशक्त नारी सिर्फ परिवार नहीं, पूरी पीढ़ियों का भविष्य गढ़ती है। बीते 11 वर्षों में जब भारत ने तेज़ी से तरक्की की दिशा में कदम बढ़ाए, तब केंद्र में महिलाओं को सिर्फ लाभार्थी नहीं, विकास की भागीदार बनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शासन की दिशा और दृष्टि में एक मौलिक परिवर्तन हुआ।

महिलाओं को 'वोट बैंक' नहीं, 'विकास भागीदार' माना गया। यह बदलाव नीतियों में भी दिखा, और ज़मीनी सच्चाई में भी। सबसे पहले बात गरिमा की करें तो 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण महज स्वच्छता अभियान नहीं था, यह महिलाओं की अस्मिता और सुरक्षा की रक्षा थी। वर्षों से गांव की महिलाएं सूरज डूबने और उगने के समय का इंतजार करती थीं, अब उनके लिए हर घर में सम्मान की जगह बनी। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली। यह सिर्फ एलपीजी कनेक्शन नहीं था, यह स्वास्थ्य, समय और सुरक्षा की सौगात थी। एक मां अब बिना जलन के, बिना खांसी के, बच्चों के लिए खाना बना सकती है। यह बदलाव दिखाई भी देता है और महसूस भी होता है।

जहां गरिमा है, वहां आत्मविश्वास पनपता है। मोदी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए जन-धन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले। इन खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से महिलाओं के हाथ में पहली बार सीधा पैसा आया। यह बदलाव सिर्फ खाते में रकम आने तक सीमित नहीं रहा, इससे महिलाओं को घर की आर्थिक गतिविधियों में हिस्सेदारी मिली। वे अब निर्णयकर्ता बनीं, न कि सिर्फ दर्शक। महिलाओं के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के रास्ते भी खोले गए। मुद्रा योजना के अंतर्गत 70 फीसदी से अधिक ऋण महिलाओं को दिए गए। छोटे-छोटे व्यवसायों, कुटीर उद्योगों और सेवाओं में महिलाओं ने अपने कदम जमाए।

वे अब दुकानदार, कारीगर, बुटीक मालिक, सब्जी विक्रेता ही नहीं, स्टार्टअप की नींव रखने वाली नई पीढ़ी बन चुकी हैं। यह आर्थिक सशक्तिकरण एक सामाजिक क्रांति की बुनियाद है। शिक्षा के मोर्चे पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' महज एक नारा नहीं रहा, यह एक सामाजिक चेतना का आंदोलन बना। हरियाणा जैसे राज्यों में जहां बालिका जन्म अनुपात बेहद खराब था, वहां सुधार के स्पष्ट संकेत मिले।

स्कूलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ी। उच्च शिक्षा, इंजीनियरिंग, मेडिकल और रक्षा सेवाओं तक बेटियों की पहुंच बढ़ी। जब बेटियां आसमान छूने लगती हैं, तभी राष्ट्र की उड़ान संभव होती है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पर भी सरकार ने अनेक संवेदनशील निर्णय लिए। तीन तलाक पर कड़ा कानून बनाकर करोड़ों मुस्लिम बहनों को एक ऐतिहासिक अन्याय से मुक्त किया गया। यह फैसला सिर्फ कानूनी नहीं था, यह सामाजिक साहस और संवेदनशीलता का प्रतीक था। महिला हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर, फास्ट ट्रैक कोर्ट्स, और साइबर सुरक्षा के अभियान यह दिखाते हैं कि सरकार संवेदना के साथ, संकल्प से काम कर रही है।

राजनीति और नेतृत्व में भी महिलाओं को आगे लाने की प्रतिबद्धता को पूरी गंभीरता से निभाया गया। संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए महिला आरक्षण बिल पास हुआ। यह लोकतंत्र में नारी भागीदारी का नया अध्याय है। आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं, जो इस बदलाव की सबसे बड़ी प्रतीक हैं। ग्राम पंचायतों से लेकर संसद तक, महिलाओं की आवाज़ पहले से अधिक सशक्त और निर्णायक हुई है। सरकारी योजनाओं की डिलीवरी व्यवस्था में भी महिलाओं को केंद्र में रखा गया। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों ग्रामीण महिलाओं को सशक्त किया गया। ये समूह अब केवल बचत या ऋण की सीमाओं में नहीं हैं।

वे डेयरी, कृषि, बागवानी, जैविक उत्पादों, सिलाई और डिज़ाइनिंग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत हैं। ये महिलाएं अब अपने गांव की अर्थव्यवस्था का इंजन बन चुकी हैं। सखी मंडलों ने ग्रामीण भारत में महिला नेतृत्व का नया मानक गढ़ा है। डिजिटल इंडिया ने भी महिला सशक्तिकरण की गति को तेज किया है। स्मार्टफोन, डिजिलॉकर, भीम ऐप और डिजिटल पेमेंट के ज़रिए महिलाएं तकनीक के साथ कदमताल कर रही हैं।

ई-संजीवनी जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को घर बैठे परामर्श उपलब्ध हो रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को मुफ्त इलाज मिला, यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव है। सेना और सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। अब महिलाएं युद्धपोत चला रही हैं, लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, और फ्रंटलाइन पर तैनात हैं। यह बदलाव सिर्फ अवसर का नहीं, विश्वास का है। यह दिखाता है कि भारत अपनी बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। महिलाएं अब सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं।

वे निर्णय के केंद्र में हैं। वे योजनाओं की लाभार्थी नहीं, योजनाओं की दिशा तय करने वाली साझेदार बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार कहते हैं कि "नारी शक्ति के बिना भारत का विकास अधूरा है" और यही दर्शन हर नीति, हर निर्णय में स्पष्ट झलकता है। पिछले ग्यारह वर्षों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो व्यवस्थाएं बदली जा सकती हैं। नारी को सशक्त करना कोई योजना की सूची में एक बिंदु नहीं होना चाहिए, बल्कि वह राष्ट्र निर्माण की रणनीति का मूल होना चाहिए। मोदी सरकार ने इसी सोच को कार्यरूप दिया।

इस दौर में महिलाएं मौन नहीं, मुखर हुई हैं। वे सिर्फ वोटर नहीं, नेतृत्वकर्ता बन चुकी हैं। भारत आज एक ऐसे मोड़ पर है, जहां उसका भविष्य नारी शक्ति की प्रगति से ही तय होगा। वह भविष्य अब दूर नहीं, सामने खड़ा है। आत्मविश्वास से भरी, सशक्त, शिक्षित, सजग और सक्षम भारतीय महिला के रूप में। और यही है आज के भारत की असली शक्ति।

नये भाजपा अध्यक्ष के चयन में और देरी संभव

अरुण श्रीवास्तव

04 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा। यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में दशहरा के दिन अपना शताब्दी वर्ष मनायेगा। अधिकांश संगठन तो अपनी शताब्दी के करीब पहुंचने से पहले ही पतन की ओर अग्रसर हो जाते हैं या यहां तक कि विघटित हो जाते हैं। परन्तु आरएसएस अपनी राजनीतिक शाखा भाजपा के माध्यम से भारत पर शासन कर रहा है।

लेकिन शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर इसके सरसंघचालक मोहन भागवत ने विडंबनापूर्वक संगठन पर अपना अधिकार और नियंत्रण खो दिया है। जहां पिछले सरसंघचालकों के शब्दों को भगवा पारिस्थितिकी तंत्र ने आज्ञाओं की तरह माना, वहीं शताब्दी वर्ष में भागवत के उपदेशों को कोई नहीं मानता।

यह अब कोई रहस्य नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जानबूझ कर और योजनाबद्ध तरीके से उनकी छवि और विश्वसनीयता को कम किया है। अपने शासन के ग्यारह वर्षों के दौरान, आरएसएस प्रचारक मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में भागवत से केवल एक बार मुलाकात की।

इसका मतलब साफ है कि उन्होंने भागवत के सुझावों और सलाह की परवाह नहीं की। आरएसएस और खासकर भागवत भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन मोदी का उनके निर्देश की अनदेखी करना उनके तिरस्कार का स्पष्ट प्रमाण है।

वास्तव में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 2024 में ही लोकसभा चुनाव से काफी पहले यह कहकर इस अनादर को प्रकट कर दिया था कि 'भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं है। जब से नड्डा ने 2023 में अपना कार्यकाल पूरा किया है, तब से भागवत पार्टी प्रमुख के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं।

लेकिन नड्डा की औपचारिक सेवानिवृत्ति के ढाई साल बाद भी, उनका भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य करना जारी है। कारण साफ है। मोदी को एक ऐसे अनुचर की जरूरत है जो उनके आदेशों का पालन करे। उन्हें समानांतर सत्ता केंद्र पसंद नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता उनके वर्चस्व के लिए संभावित खतरा साबित हो सकते हैं। यही कारण है कि मोदी जानबूझ कर उनकी दलीलों को नजरंदाज कर रहे हैं।

गोवा में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में जब मोदी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया था, तब भगवा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मोदी की राष्ट्रीय अपील और लोकप्रियता नहीं थी। लालकृष्ण आडवाणी के साथ भागवत ने उन्हें आगे बढ़ाया। निर्वाचित होने के बाद मोदी का पहला काम आडवाणी को अलग-थलग करना और उन्हें निष्क्रिय बनाना था। लेकिन उस समय भागवत को हटाने या अलग-थलग करने की हिम्मत वे नहीं कर पाये, क्योंकि वे आरएसएस प्रमुख थे।

एक सुनियोजित चाल के तहत उन्होंने उन्हें नजरंदाज करना शुरू कर दिया, जिससे यह संदेश गया कि भागवत भाजपा के लिए किसी काम के नहीं हैं। मोदी ने भगवा पारिस्थितिकी तंत्र के अंदर सफलतापूर्वक ऐसी स्थिति बना दी, जहां भागवत की सलाह अवांछित थी। 2023 में ही आरएसएस के कई शीर्ष नेताओं ने भागवत को आगाह किया था और उनसे सख्ती बरतने को कहा था। लेकिन उन्होंने ऐसा करने की हिम्मत नहीं की।

मोदी जहां खुद को भाजपा और भारत के लिए राजनीतिक रूप से अपरिहार्य साबित करने पर तुले हुए हैं, वहीं भागवत हिंदू और हिंदुत्व की राजनीति को बढ़ावा देने में आरएसएस की

अजेयता को प्रदर्शित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसे समझने के लिए हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों के विश्लेषण से अधिक उपयुक्त तरीका और कुछ नहीं हो सकता। जहां मोदी और उनके सहयोगियों ने इन राज्यों में भाजपा की जीत को मोदी के करिश्मे से जोड़ा, वहीं आरएसएस ने दावा किया है कि इन चुनावी जीत का श्रेय आरएसएस के कार्यकर्ताओं को जाता है।

मोदी और भागवत के बीच ताजा सत्ता संघर्ष बिहार की मतदाता सूची संशोधन के मामले में सामने आया है। आरएसएस ने मोदी के कदम का सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं किया है, लेकिन वह इसका समर्थन भी नहीं करता है। मोदी ने पहले ही बिहार में इस योजना को बड़े जोर-शोर से शुरू कर दिया है।

आरएसएस नेताओं के अनुसार भी इस कदम का शिकार ईबीसी और दलितों की बड़ी आबादी होगी, जो आरएसएस के निशाने पर हैं। यह लगातार इन वर्गों को यह विश्वास दिलाता रहा है कि वे हिंदू हैं। गांवों में जाकर गणना करने वाले लोग उनके मूल निवासी होने के दावों के प्रमाण के रूप में मूल जन्म प्रमाण पत्र मांग रहे हैं। यह एक खुला रहस्य है कि इनमें से एक बड़ी आबादी के पास अपनी पहचान साबित करने के लिए कोई दश्तावेज नहीं है। जाहिर है कि उन्हें अपनी राष्ट्रीय पहचान खोने का खतरा है। एक बार जब उन्हें राष्ट्रीयता से वंचित कर दिया जाता है, तो उन्हें वोट देने का अधिकार भी स्वतः ही छीन लिया जायेगा।

यह स्पष्ट है कि मोदी अपने राजनीतिक अशितत्व के लिए ऐसा कर रहे हैं। हाल ही में हुए चुनावों में उनकी निष्ठा बदली हुई, इंडिया ब्लॉक के पक्ष में दिखी जिससे मोदी को यह कड़ा संदेश गया है कि दलित और ईबीसी उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

मोदी का यह चुनावी कदम उन्हें मध्यम वर्ग पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और उनके बीच अपने समर्थन आधार को मजबूत करने में मदद करेगा। लेकिन इससे आरएसएस के राजनीतिक हित खतरे में पड़ जायेंगे, जो उन्हें हिंदू के रूप में पहचानने की कोशिश कर रहा है। इसका भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की आरएसएस की योजना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

सूत्रों का कहना है कि आरएसएस शताब्दी समारोह के दौरान अपनी योजना की घोषणा करने के लिए दृढ़ था। लेकिन अब ऐसा लगता है कि वह कुछ और समय के लिए अपने फैसले को रोक देगा।

इस पृष्ठभूमि में 4 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा।

यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों का मानना है कि भाजपा के कुछ शीर्ष नेता इस बैठक में भाग ले सकते हैं और अध्यक्ष चयन के मुद्दे पर आरएसएस पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर सकते हैं।

इन सूत्रों के अनुसार मोदी और अमित शाह ने आरएसएस नेतृत्व, खासकर भागवत को बिहार विधानसभा चुनाव तक मौजूदा व्यवस्था जारी रखने के लिए कहा है। मोदी ने चुनाव के लिए एक योजना तैयार की है और किसी भी संगठनात्मक विवाद से भाजपा के चुनावी हित प्रभावित होंगे, जो बदले में आरएसएस के दीर्घकालिक राजनीतिक हित को नुकसान पहुंचायेगा।

बिहार और बंगाल के कुछ क्षेत्रीय नेताओं की गुटबाजी और संभावित खतरे से पार्टी कमजोर होगी। इन राज्यों में आरएसएस के प्रभावी हश्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए शताब्दी समारोह की योजना बनायी गयी है।

उन्होंने आशंका जताई है कि भगवा ब्रिगेड असम पर अपनी पकड़ खो सकती है, जिससे पूर्व और उत्तर पूर्व में पार्टी की संगठनात्मक प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है।

उनका तर्क है कि नये अध्यक्ष के लिए बिहार और बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उभरने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होगा। चुनौतियों का सामना करने के लिए, भाजपा ने संगठनात्मक बदलाव करने, मौजूदा राष्ट्रीय महासचिवों में से आधे को बदलने और महत्वपूर्ण पदों पर युवा नेतृत्व लाने की योजना बनाई है।

अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस: सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता का उत्सव

ललित गर्ग

हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों को रेखांकित करने और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक योगदान को सम्मानित करने का अवसर होता है।

सहकारिता एक ऐसा आंदोलन है जो 'एकता में शक्ति' की भावना को मजबूत करता है और लोकतांत्रिक, समावेशी और न्यायसंगत आदर्श समाज के निर्माण में सहायक बनता है। सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता के इस उत्सव का 2025 की थीम है 'सहकारिताः एक बेहतर दुनिया के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान लाना। '

यह थीम पर्यावरण-संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, और सामाजिक समावेशन जैसे विषयों को सहयोग के माध्यम से हल करने की प्रेरणा देती है। आज के समय में जब आर्थिक विषमता और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है, सहकारिता एक वैकल्पिक और मानवीय मॉडल प्रश्तुत करती है।

यह न केवल आर्थिक विकास की राह दिखाती है, बल्कि सामाजिक विश्वास, सह-अशितत्व और भाईचारे को भी बढ़ावा देती है।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त यह 29वां अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस और 101वां अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस होगा।

यह सहकारी आंदोलन का एक वार्षिक उत्सव है जो अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा 1923 से जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाता है। इस उत्सव का उद्देश्य सहकारिता के बारे में जागरूकता बढ़ाना, संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन के पूरक लक्ष्यों और उद्देश्यों को उजागर करना, संयुक्त राष्ट्र द्वारा संबोधित प्रमुख समस्याओं के समाधान में आंदोलन के योगदान को रेखांकित और विश्तारित करना है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। यह घोषणा 2012 में पहले सफल आयोजन के बाद की गई है और वैश्विक श्तर पर सतत विकास को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है।

दुनिया भर की सहकारी समितियां दिखाएंगी कि कैसे वे एकजुटता और लचीलेपन के साथ युद्ध, महामारी एवं प्राकृतिक आपदा संकट का सामना कर रही हैं और समुदायों को जन-केंद्रित और पर्यावरण की दृष्टि से न्यायसंगत पुनर्प्राप्ति की पेशकश कर रही हैं।

सहकारिता दिवस इस बात का प्रचार करने का अवसर है कि किस प्रकार मानव-केन्द्रित व्यवसाय मॉडल, जो स्वयं-सहायता और एकजुटता के सहकारी मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व और समुदाय के प्रति चिंता के नैतिक मूल्यों द्वारा समर्थित है, असमानता को कम कर सकता है, साझा समृद्धि का सृजन कर सकता है।

सहकारी समितियां, जो आर्थिक सफलता को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए जानी जाती हैं, उन्हें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है।

संयुक्त राष्ट्र का प्रश्ताव सदस्य देशों को सहकारी समितियों के लिए एक सहायक कानूनी और नीतिगत माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें कृषि, वित्त और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके महत्व पर जोर दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है। आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने इस घोषणा को संगठन के सतत विकास के लिए चल रहे प्रयासों के साथ संरेखित करने पर प्रकाश डाला।

इस घोषणा से वैश्विक श्तर पर समानतापूर्ण और लचीली अर्थव्यवस्था बनाने में सहकारी समितियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है, खासकर जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों के सामने।

सहकारिता पर ध्यान केंद्रित करके, संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य टिकाऊ, समुदाय-केंद्रित समाधान प्रदान करने में मॉडल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करना है।

सहकारिता, जिसे अंग्रेजी में कोआपरेटिव कहते हैं, एक ऐसा संगठन है जिसमें लोग स्वेच्छा से मिलकर काम करते हैं ताकि अपनी सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

यह एक लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित व्यवसाय है जहां सदस्य ही मालिक होते हैं और व्यवसाय का संचालन और लाभ का वितरण भी सदस्यों के बीच ही होता है। सहकारिता का अर्थ है, 'मिलजुल कर काम करना' या 'आपस में सहयोग करना'।

यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें लोग स्वेच्छा से एक साथ मिलकर काम करते हैं, ताकि वे अपने सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें. सहकारिता का मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग, समानता और सामूहिक हित को बढ़ावा देना है। इसका मूल मंत्र है 'सभी के लिए एक, और एक सभी के लिए। '

भारत में सहकारिता की भावना एवं विचारधारा आजादी से पहले से जन-जन में रची-बसी है। भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुली मिली है, ये कोई उधार लिया विचार नहीं है। सहकारिता भारत के संस्कार में है। भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता। सहकारिता की जड़े 1904 के सहकारी ऋण समितियां अधिनियम से जुड़ी हैं। स्वतंत्रता के बाद यह आंदोलन और भी सशक्त हुआ।

चाहे अमूल जैसी डेयरी सहकारी संस्थाएं हों या सहकारी बैंकों और किसान समितियां, उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जब सहकारिता आंदोलन की सबसे अधिक जरूरत थी, तब यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहिकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि के स्वप्न को साकार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता को नये आयाम दिये हैं। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से करोड़ों किसानों के जीवन श्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। सभी राज्यों के सहकारिता मंत्री अपने-अपने राज्यों में कृषि मंत्रियों के साथ समन्वय कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं ताकि आम लोगों के साथ-साथ धरती माता का स्वास्थ्य भी बेहतर हो सके।

गरीब कल्याण और गरीब उत्थान, बिना सहकारिता के सोचा नहीं जा सकता। नरेन्द्र मोदी के मन की इच्छा है कि छोटे से छोटे व्यक्ति को विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाना, सहकारिता की प्रक्रिया से हर घर को समृद्ध बनाना और हर परिवार की समृद्धि से देश को समृद्ध बनाना, यही सहकार से समृद्धि का मंत्र है।

देश पर जब-जब कोई विपदा आई है, सहकारिता आंदोलनों ने देश को बाहर निकाला है। कॉपरेटिव बैंक बिना मुनाफे की चिंता किए लोगों के लिए काम करते हैं क्योंकि, भारत के संस्कारों में सहकारिता है। आज देश में लगभग 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं जहां छोटी-बड़ी कोई न कोई सहकारी संस्था काम करती है। सहकारिता गरीबों और पिछड़ों के विकास के लिए है। राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम-(एनसीडीसी) और सहकारिता मंत्रालय जैसे संस्थान इस क्षेत्र को संगठित और सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं।

भारत की सहकारिता सोच एवं मोदी सरकार की प्रतिबद्धताएं दुनिया के लिये एक प्रेरक मॉडल है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, एक ऐसा आंदोलन जो समाज को जोड़ने, ऊपर उठाने, संतुलित विकास और ग्रामीण जीवन को टिकाऊ बनाने की क्षमता रखता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि यदि हम साथ मिलकर कार्य करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। सहयोग ही सशक्तिकरण की कुंजी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)

बेरहम बरसात का कहर खौफनाक मंजर कब थमेगा

नरेन्द्र भारती

बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे रही है जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी है। 56 लोग लापता हैं और 19 लोगों की मौत हो चुकी है सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए। देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव हो रहा है।

कुल्लू के बंजार मे 250 सैलानी को सुरक्षित निकाल दिया। प्रदेश में.245 सड़के बंद हो चुकी हैं और 918 बिजली के ट्रांसफार्मर ध्वत हो चुके हैं 683 पेयजल योजनाएं तबाह हो गई हैं। जून महीने से ही यह बरसात शुरू हो गई है। बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है। बरसात जिंदगियां लील रही है। सैंकडों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।

आशियाने जमींदोज हो रहे हैं। 30 जून 2025 की काली और खौफनाक रात को गोहर के सयाँज मे बादल फटने से परिवार के नौ लोग जमीदोज हो गए हैं। करसोग मे भी तीन लोगों की मौत हो गईं है चारों तरफ तबाही की इबारत लिखी जा रही है अभी तो जुलाई और अगशत महीने मे पता नहीं कितने लोगों को प्रकृति मौत की गोद सुला देगी प्रकृति के इस खौफ से जनमानस खौफजदा है।कुल्लू के सेंज गाँव मे चार दिन पहले बादल फटा था जिसमें बाप बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी। गत वर्ष 26 सितबर को रोनहाट में आधी रात को भूस्खलन होने से एक घर दब गया और उसमें छह लोगों की मौत हो गई थी दबने वालों में चार बच्चे व पति पत्नी थे।

यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ। 24 घंटों में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। 20 अगशत 2022 की रात को हिमाचल के लोग कभी नहीं भूल पाएंगें। 20 अगशत को मंडी के गोहर के काशन में एक मकान जमींदोज हो गया था जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे। एक घर से जब आठ अर्थियां उठी थी तो कायनात कांप उठी थी।

बरसात का ऐसा कहर 2018 में हुआ था। चार साल बाद बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया। बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी। गांड़ियां फिसल रही थी।

भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया था मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया था। युवक की स्कूटी नाले में बह गइ र्थी। आनी में भी भूस्खलन से श्रध्दालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे। मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है।

गौशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गइ र्थी। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे। मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है। हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों का नुक्सान हो चुका है।

मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं। मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं। गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे।

चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे। बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी। गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ र्थी।

नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ र्थी। गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे। प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है। कुल्लु, मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है। प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांडव मचाया है।

कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं। बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ र्थी।

दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं। कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है।

हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।

देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है।

पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे। अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते। इससे पहले 2017 वर्ष की 12 अगशत की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौंगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था। पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।

मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगशत 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था। पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।

12 अगशत की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था। यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है। पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा जा रही दो बसें दब गई थी।

सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए। बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी। चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे। हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए बसें जमीदोज हो गई थी।

46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरासाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी। अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे। उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगशत की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी। इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे।

देश में कभी भूकंप, तो कभी बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है।

अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके।

अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रश्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।

अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

सोनेलाल पटेल की जयंती समारोह में 12 विधायक रहे मौजूद, अनुप्रिया पटेल ने फूट डालने वालों को दी चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। रवींद्रालय में आयोजित डॉ. सोनेलाल पटेल के जयंती समारोह में पार्टी के 13 में से 12 विधायक पहुंच गए थे। बाकी नेता अपने साथ नौ विधायक होने का दावा कर रहे थे।

पार्टी के बागी नेताओं के दावों के बीच अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जहां पार्टी में फूट डालने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। वहीं, कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने इशारों में ही इसे षड्यंत्र करार दिया है।

अनुप्रिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि हमें अपने सिद्धांतों और वैचारिक मुद्दों से नहीं भटकना चाहिए। विरोध और षड्यंत्र केवल ताकतवर और ईमानदार लोगों के खिलाफ होते हैं। हमारी पार्टी की लोकप्रियता और स्वीकार्यता बढ़ रही है। हमें यूपी में नंबर एक पार्टी बनने का संकल्प लेना होगा। अनुप्रिया बुधवार को रवींद्रालय में आयोजित डॉ. सोनेलाल पटेल के जयंती समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं। पार्टी में बगावती सुर उठाने वालों को करारा जवाब देते हुए अनुप्रिया ने कार्यकर्ताओं को ऐसे लोगों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि है और इसी वजह से डॉ. सोनेलाल की जयंती को आज 'जन स्वाभिमान दिवस' के तौर पर मनाई जा रही है।

जातिगत जनगणना की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अपना दल स्थापना के समय से ही जातिगत जनगणना का समर्थन किया था। केंद्र सरकार ने इस दिशा में कदम उठाकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र के सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना समाज को तोड़ने वाला नहीं, बल्कि जोड़ने वाला कदम है। इस अवसर पर प्यारे लाल पटेल (राष्ट्रीय सचिव-किसान मंच), रमेश पटेल (प्रदेश महासचिव) व जगन्नाथ पटेल (राष्ट्रीय सचिव) को डॉ. सोनेलाल पटेल सम्मान दिया गया। राष्ट्रीय सचिव माता बदल तिवारी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बलरामपुर बसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष ने अपने तमाम साथियों के साथ अपना दल (एस) की सदस्यता ली।

अपना दल को खत्म करने की हो रही साजिश: आशीष पटेल

आशीष पटेल ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि ताकतवर लोग अपना दल (एस) को खत्म करने की साजिश कर रहे हैं। इसके लिए कुछ लोग 1700 करोड़ रुपये की ताकत लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी आशंका व्यक्त किया कि आगे चलकर हो सकता है कि मुझे किसी फर्जी मुकदमे में फंसाया जा सकता है। आशीष ने इशारों में कहा कि सरकार में अन्य सहयोगी दल भी हैं, पर किसी अन्य दल के साथ भेदभाव क्यों नहीं किया जाता। सारा भेदभाव सिर्फ अपना दल के ही क्यों हो रहा है।

13 में से 12 विधायक रहे मौजूद

कार्यक्रम में पार्टी के बागी नेताओं द्वारा एक दिन पहले ही किए गए 9 विधायकों के साथ होने के दावे की भी पोल खुली। 13 में से 12 विधायक कार्यक्रम मे मौजूद रहे। सिर्फ शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा नदारत रहे। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं थीं। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि वर्मा को कहीं बाहर जाना था और वे इस बारे में पार्टी नेतृत्व को बता कर गए थे।

औकात में रहो, मर जाओगे बेकार में... भाजपा विधायक ने भाकियू नेता को दी धमकी

अलीगढ़, एजेंसी। लीगढ़ के छर्रा विधायक ठा. रवेंद्रपाल सिंह ने अकराबाद के भाकियू नेता ठाकुर अशोक सिंह को धमकी दी है। विधायक ने कहा कि औकात में रहो, दिमाग खराब मत करो, मर जाओगे बेकार में। भाकियू नेता और छर्रा क्षेत्र के विधायक की बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अलीगढ़ जिले में छठवीं तहसील अकराबाद में बनेगी या छर्रा में, ये तो अभी भविष्य तय करेगा, मगर छर्रा विधानसभा क्षेत्र में सियासत ने जरूर तूल पकड़ लिया है। इस क्रम में विधायक छर्रा का भाकियू नेता को धमकी देने का एक ऑडियो भी सामने आया है।

छर्रा क्षेत्र के भाजपा विधायक ठा. रवेंद्रपाल सिंह ने अकराबाद के भाकियू नेता ठा अशोक सिंह को मोबाइल पर बातचीत में औकात में रहने व मर जाओगे तक की धमकी दे दी। बुधवार सुबह-सुबह हुई बातचीत का यह ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

ये है विवाद का कारण

शासन से अकराबाद को तहसील बनाने का पुनः प्रस्ताव मांगा है। इसके बाद सक्रिय हुए छर्रा के लोग मंगलवार को विधायक ठा. रवेंद्रपाल सिंह संग डीएम से मिले, जिसमें छर्रा को तहसील बनवाने व प्रस्ताव शासन को पहुंचाने की मांग की। छर्रा के लोगों संग विधायक का जाना अकराबाद की नाराजगी का कारण बन रहा है। इसी के चलते लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की टिप्पणी कर रहे हैं, जिसमें एक टिप्पणी गांव नानऊ के भाकियू भानु गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष ठा. अशोक सिंह ने विधायक को लेकर कर दी। इसमें अपने क्षेत्र के वोटों की याद दिलाते हुए छर्रा के समर्थन पर ऐतराज जताया है। साथ में अकराबाद में तहसील नहीं बनने पर विरोध का एलान किया है।

सपा सांसद डिंपल यादव गोरखपुर पहुंची

पार्टी के पूर्व पदाधिकारी के निधन पर जताया शोक

गोरखपुर, एजेंसी। मीडिया से बात करते हुए सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश में महिलाओं, युवाओं समेत सभी को निराश किया है। लोगों से बीजेपी ने जो भी वादे किए थे उसे पूरा न करके उसने लोगों को निराश किया है। सपा सांसद डिंपल यादव गोरखपुर में गौरव प्रकाश की माता व महिला सभा की पूर्व जिलाध्यक्ष मीना यादव के निधन पर शोक जताने पहुँचीं।

वहीं, सपा नेता आशुतोष गुप्ता के पिता व पूर्व जिला कोषाध्यक्ष सतेन्द्र गुप्ता का भी निधन हुआ था, वो उनके आवास भी पहुंची। डिंपल यादव, सपा सांसद ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मीडिया से बात करते हुए सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश में महिलाओं, युवाओं समेत सभी को निराश किया है। लोगों से बीजेपी ने जो भी वादे किए थे उसे पूरा न करके उसने लोगों को निराश किया है। यही नहीं बीजेपी और उसके कार्यकर्ताओं

के द्वारा विरोधी दल के नेताओं के साथ, ऐसे आचरण पेश किए जा रहे हैं, जिसका लोकतंत्र में कहीं कोई स्थान नहीं है। पिछले दिनों गोरखपुर आया समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल ऐसे ही संविधान विरुद्ध आचरण का शिकार हुआ। जबकि विरोधी दल के नेताओं को भी हक है कि वह किसी भी क्षेत्र में पीड़ित- परेशान नागरिकों का हाल जान सकें।

लेकिन, गोरखपुर में उनके पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव समेत प्रतिनिधि मंडल के लोग व्यापारियों से मुलाकात करने जा रहे थे। उनके साथ हुई घटना सविधान के विरुद्ध है। समाजवादी पार्टी सभी का सम्मान करती है। सबको साथ लेकर चलती है।

सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम के आवास पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात कर एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई। इस दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम, महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी, जिला महासचिव रामनाथ यादव, अवधेश यादव, रजनीश यादव, विजय बहादुर यादव, जफर अमीन डक्कू, मिर्जा कदीर बेग, सुनील सिंह, रवि यादव, मृत्युंजय यादव बिट्टू, आशुतोष गुप्ता, मैना भाई, अरविंद शुक्ला, गौरव प्रकाश, सन्तोष यादव, सच्चिदानंद यादव, राहुल यादव, एहतेशाम खान, जितेंद्र श्रीवास्तव, सन्तोष गौड़, अशोक चौहान, अनुप यादव, आजम लारी, अमित शाही, फिरदौस आलम, राम आशीष यादव, गोली यादव, राजन शाही व इमरान खान आदि मौजूद रहे

मशहूर शायर नवाज देवबंदी का मोबाइल हैक

सहारनपुर, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शायर डॉक्टर नवाज देवबंदी का मोबाइल हैक कर लिया गया है। हैकर उनके व्हाट्सएप से शादी के निमंत्रण की फर्जी पीडीएफ भेज रहा है। इसे क्लिक करते ही मोबाइल भी हैक हो रहा है। इसको लेकर डॉक्टर नवाज देवबंदी भी चिंतित है। इस संबंध में

उनका कहना है कि उन्हें अभी अपने मोबाइल के हैक होने के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। वह बृहस्पतिवार की सुबह कोतवाली में तहरीर देकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने अपने शुभचिंतकों से अपील की है कि वह उनके व्हाट्सएप का इस्तेमाल न करें उनके मोबाइल पर जो भी लिंक आई है उसे बिल्कुल भी क्लिक न करें।

रिहायशी इलाके में बिना अग्नि सुरक्षा मानकों के चलते मिले कारखाने

कानपुर, एजेंसी। चमनगंज के प्रेमनगर में जूते के कारखाने में लगी आग से पांच लोगों की जलकर मौत के बाद जिम्मेदार अधिकारी दो माह बाद नींद से जाग गए हैं। बुधवार को केडीए के अधिकारियों ने अग्निशमन विभाग के साथ अभियान चलाकर दलेलपुरवा स्थित बेबीज कंपाउंड के रिहायशी इलाके में छापेमारी की।

टीम को रिहायशी इलाके में बिना अग्नि सुरक्षा मानकों के ही कारखाने चलते मिले। शहर की घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके चमनगंज, बेकनगंज, दलेलपुरवा, पेंचबाग, कर्नलगंज आदि में बने मकान के साथ धड़ल्ले से कारखाने चल रहे हैं। अग्नि सुरक्षा मानक नहीं हैं। प्रेमनगर में अग्निकांड के बाद अग्निशमन विभाग ने केडीए को पत्र लिखकर संयुक्त रूप से कार्रवाई करने को कहा था।

बुधवार को केडीए के अवर अभियंता कैलाश सिंह ने लाटूश रोड अग्निशमन अधिकारी कैलाश चंद्रा और उनकी टीम के साथ दलेलपुरवा के बेबीज कंपाउंड इलाके में छापेमारी की। टीम को यहां हर मकान के बेसमेंट में कारखाना संचालित मिला। आग से निपटने के कोई संसाधन भी नहीं थे।

टीम ने अजमल शेख, मो शमी, अमीन, कासिफ, मो वसी, शमशाद समेत दर्जन भर मकानों की जांच की। केडीए के अवर अभियंता कैलाश सिंह ने बताया कि ज्यादातर भवनों में मानकों का उल्लंघन कर बेसमेंट बनाया गया है।

वाराणसी- प्रयागराज हाईवे पर छात्रा का शव रखकर हंगामा, ढाबे पर गला रेतकर की गई थी हत्या

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के मिर्जामुराद क्षेत्र में छात्रा की हत्या को लेकर मेहंदीगंज स्थित नेशनल हाईवे पर परिजनों के साथ सैकड़ों ग्रामीणों ने शव रखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस के खिलाफ नारा लगाते हुए विरोध जताया। लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए चक्का जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव ने जाम कर रहे लोगों को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणमानने को तैयार नहीं थे। मिर्जामुराद क्षेत्र के मेहंदीगंज गांव निवासी एमएससी कर रही छात्रा अलका बिंद (22) का शव बुधवार की सुबह क्षेत्र के रूपापुर नेशनल हाईवे के किनारे एक ढाबा स्थित कमरे में बेड पर मिला था।

उसकी धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई थी। ढाबा मालिक की सूचना पर डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गए। आशंका जताई जा रही थी कि उक्त छात्रा के साथ कमरे के अंदर जोर जबरदस्ती की गई होगी, छात्रा द्वारा विरोध करने पर बेड पर ही धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई।

घटनास्थल पर डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल, एडीसीपी वैभव बांगर, एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव श्रीवास्तव, मिर्जामुराद थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय व दो थाने की फोर्स सहित फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर मौजूद वह जांच पड़ताल में जुटी रही।

हापुड़ में भीषण सड़क हादसा, गलत दिशा से आ रही कैंटर ने बाइक को रौंदा

हापुड़ , एजेंसी। हापुड़ जिले में बुलंदशहर रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। गलत दिशा में आ रहे कैंटर ने बाइक को रौंद दिया। एक बाइक पर चार बच्चों समेत पांच लोग सवार थे। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गलत दिशा में आ रहे कैंटर ने बाइक को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, पांच लोगों की मौत से परिवारों में कोहराम मच गया। हापुड़ के हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास बुधवार रात साढ़े दस बजे हुए भीषण हादसे में चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतक एक ही बाइक पर सवार थे। मृतकों में पिता और दो बेटियां भी शामिल हैं। हापुड़ के मोहल्ला रफीकनगर निवासी राजमिस्त्री दानिश (36) अपनी दो बेटियों माहिरा (6), समायरा (5) के अलावा भाई सरताज के बेटे समर (8) और दोस्त

चार बच्चों समेत पांच की मौत

रफीकनगर निवासी वकील के बेटे माहिम (8) को लेकर गुलावठी के गांव मिठ्ठेपुर गए थे।

वहां पांचों ने बाग में स्थित स्विमिंगपूल में स्नान किया। इसके बाद रात साढ़े दस बजे के करीब बाइक में चारों बच्चों को बैठाकर दानिश वापस गांव आ रहे थे। हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास एक रांग साइड से आए कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार चार बच्चों समेत पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। ट्रक का चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टक्कर मारने वाले कैंटर को जब्त कर

डबल मर्डर

बच्चों के सामने अभद्रता करता था आरोपी... महिला आयोग में शिकायत से था नाराज

लखनऊ, एजेंसी। आलमबाग के गढ़ी कनौरा में एक युवक ने अपने सास-ससुर को चाकू से गोदकर मार डाला। पत्नी ने उसके बारे में कई खुलासे किए हैं। हत्याकांड से सनसनी फैल गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आलमबाग के गढ़ी कनौरा में बुधवार देर रात हुए डबल मर्डर से राजधानी लखनऊ थर्रा उठी। दामाद ने अपने सास-ससुर को चाकू से गोदकर मार डाला। आरोपी जगदीप सिंह की पत्नी पृनम ने बताया कि पति से शादी के बाद से ही विवाद चल रहा था। बुधवार को आरोपी ससुराल आया था। पत्नी से बात करने की कोशिश की पर आरोपी की हरकतों से परेशान होकर पूनम ने उससे बात करने से मना कर दिया। दोनों की झड़प होने लगी और जगदीप ने पूनम की पिटाई कर दी। इस दौरान ससुर अनंत राम और सास आशा देवी ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वो आपे से बाहर हो गया और चाकू से बुजुर्ग दंपती पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

शोर सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे। लोगों ने हिम्मत जुटाकर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गंभीर रूप से

घायल दंपती को अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से चाकू बरामद कर लिया है।

पूनम ने महिला आयोग में की थी शिकायत

पूनम ने बताया कि शादी के बाद कुछ साल तक सब ठीक था। इधर कुछ महीने से जगदीप उन्हें प्रताड़ित करने लगा था। अक्सर शराब पीकर आता और मारपीट करता। बच्चों के सामने भी अभद्रता करने लगा था। परेशान होकर पूनम ने जगदीप के खिलाफ महिला आयोग में शिकायत की थी। इसी बात से वह नाराज था।

अनंत राम के दो बेटे रोहन और सूरज, दो बेटियां कंचन और पूनम हैं। पूनम को घरवाले सोनी कहकर बुलाते हैं। रोहन का मीरजापुर में इलाज चल रहा है, जबकि सूरज जम्मू में हैं। घटना के समय रोहन की पत्नी अपने मायके में थीं। घटना की सूचना पर देर रात वो घर पहुंचीं।

आरपीएफ से सेवानिवृत्त थे अनंत राम, शिक्षिका हैं पूनमः स्थानीय लोगों के मुताबिक अनंत राम रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) से सेवानिवृत्त थे। पूनम प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं।

दहशत में मासूम नहीं थम रहे आसू

वारदात के दौरान पूनम का छोटा बेटा सनवीर (3) घर पर मौजूद था। वारदात के बाद मासूम सहमा नजर आया। वह लगातार रोए जा रहा था। वह बार-बार नाना-नानी को याद करता रहा। पूनम का दूसरा बेटा गुरुदित्त उनकी बड़ी बहन कंचन के पास जम्मू में है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल तैनात है।

456 निजी आईटीआई संस्थानों के कई पाठ्यक्रम होंगे बंद, इलेक्ट्रीशियन, फिटर आदि में नहीं हो रहे प्रवेश

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के जिलों में संचालित निजी आईटीआई की स्थिति अच्छी नहीं है। यहां बच्चों के लिए मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। 456 निजी आईटीआई में बीते तीन वर्षों में कुछ पाठ्यक्रमों में एक भी दाखिला नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश के निजी प्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे इलेक्ट्रीशियन, फिटर व वेल्डर जैसे प्रमुख पाठ्यक्रमों में भी विद्यार्थी दाखिला नहीं लेना चाहते हैं।

प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) की जांच में खुलासा हुआ है कि प्रदेश में 456 निजी आईटीआई में बीते तीन वर्षों में कुछ पाठ्यक्रमों में एक भी दाखिला नहीं हुआ है। ऐसे में अब इन संस्थानों में संचालित कोर्स की मान्यता खत्म करने के साथ इस सत्र में इन कोर्सेस में प्रवेश पर रोक लगेगी। लखनऊ मंडल सहित वाराणसी, आजमगढ़, आगरा, कानपुर, गाजियाबाद व अन्य जिलों में संचालित निजी आईटीआई की स्थिति बेहद खराब है। यहां बच्चों के लिए मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों के लिए बेहतर वर्कशॉप नहीं है। यही वजह है कि यहां लंबे समय से प्रवेश की स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है।

इन पाठ्यक्रमों में नहीं हुए प्रवेश

निजी आईटीआई में संचालित इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फीटर, वेल्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा), स्विंग टेक्नोलॉजी, ब्यूटीशियन व अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं हुए हैं। डीजीटी के अनुसार, इन पाठ्यक्रमों में 30 से 34 सीटों पर प्रवेश की क्षमता थी, लेकिन बीते तीन वर्षों में एक भी प्रवेश नहीं हुआ।

डीजीटी के उप महानिदेशक ईश्वर सिंह के अनुसार, निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2022 से 2024 तक शून्य प्रवेश थे। अधिकारियों के निरीक्षण में परिसर की स्थिति भी सही नहीं पाई गई। निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर सत्र 2025-26 में प्रवेश नहीं होंगे।

प्रवेश न होने की यह रही वजह

राजकीय आईटीआई की अपेक्षा निजी आईटीआई में प्रवेश फीस अधिक है। पाठ्यक्रम के अनुसार, प्रयोगशाला व प्रशिक्षण कार्य के लिए जरूरी उपकरण नहीं हैं।

जिन आईटीआई में कोर्स बंद हो रहे हैं उनमें ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं। संस्थानों की ओर से लंबे प्रयास के बावजूद प्रवेश में स्थिति नहीं सुधरी।

रिमझिम से मिली राहत, 6 जुलाई तक तेज बारिश; मौसम विभाग ने की आने वाले दिनों के लिए भविष्यवाणी

आगरा, एजेंसी। रिमझिम बारिश ने गर्मी से राहत दी है, तो वहीं अब 6 जुलाई तक तेज बारिश के आसार हैं। मानसून की दस्तक के बाद से अब तक आगरा में सामान्य से तीन गुना बारिश हो चुकी है। जुलाई के दूसरे दिन भी आगरा पर मानसून के बादल मेहरबान रहे। बुधवार को दोपहर में दो बार हुई बारिश ने लोगों को उमस से राहत दी। दिन में 6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि रात में 19 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को हल्की, लेकिन शुक्रवार से तेज बारिश के आसार 6 जुलाई तक जताए हैं। बुधवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य रहा। न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है।

काशी में गंगा के बढ़ते जलस्तर को लेकर जल पुलिस अलर्ट, लोगों से कर रही खास अपील

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल पुलिस ने नाविकों व स्नानार्थियों से सतर्कता बरतने के लिए अपील कर रही है।

लोगों से कहा जा रहा है कि स्नान करते समय बच्चों का हाथ पकड़ कर रखें। वहीं नाविकों से नाव पर क्षमता से आधे लोगों को बैठाने के लिए कहा जा रहा है। नाव के अगले हिस्से पर यात्रियों को न बैठाया जाए, इसके लिए निर्देशित किया जा रहा है।

महिला एशियाई कप क्वालीफायर

भारत ने इराक को 5-0 से हराया

चियांग माइ, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इराक पर जीत दर्ज की। बुधवार को चियांग माइ स्टेडियम की

700वीं वर्षगांठ पर भारत ने इराक को 5-0 से हराया।

पहले हाफ में संगीता बासफोर और मनीषा ने भारत की स्थिति मजबूत कर दी। वहीं, दूसरे हाफ में कार्तिका अंगमुथु, फंजौबाम निर्मला देवी और नोंगमाईथेम रतनबाला देवी ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने अब तक तीन मैचों में 22 गोल दागे हैं, जबकि एक भी गोल भारतीय टीम के खिलाफ नहीं हुआ है। भारतीय टीम तीनों मैच जीती है। भारतीय टीम ग्रुप बी में 9 अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं, थाईलैंड दूसरे स्थान पर है। 5 जुलाई को भारत-थाईलैंड के बीच मैच होगा। मंगोलिया (13-0) और तिमोर-लेस्ते (4-0) के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद इराक के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरी भारतीय टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

टीम ने इराकी डिफेंस को भेदने के लिए शानदार ड्रिब्लिंग का इस्तेमाल किया। वहीं, मिडफील्डर्स ने पासिंग और त्वरित बदलावों के साथ गति को नियंत्रित किया। ब्रेक के समय 2-0 से पीछे चल रहे इराक ने एक बदलाव किया और अलजेबारी की जगह फैजा महमूद को मैदान में उतारा। लेकिन भारत की बढ़त बरकरार रही।

दूसरे हाफ में बमुश्किल तीन मिनट ही हुए थे कि कार्तिका अंगमुथु ने 25 गज की दूरी से एक शानदार शॉट लगाया, जो गोल में बदल गया। भारत की तरफ से चौथा गोल 68वें मिनट में निर्मला देवी ने किया। जबकि, 5वां गोल 80वें मिनट में रतनबाला देवी ने किया।

रोनाल्डो के साथी खिलाड़ी की मौत, 2 हफ्ते पहले बचपन की प्रेमिका से रचाई थी शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल के स्टार डिओगो जोटा की 28 साल की उम्र में गुरुवार (3 जून) को नॉर्थ स्पेन में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी लेम्बोर्गिनी के सड़क से फिसलने से हादसा हुआ। उन्होंने अपनी बचपन की प्रेमिका से दो हफ्ते पहले ही शादी की थी। कार में पुर्तगाल के फॉरवर्ड के साथी फुटबॉलर और भाई आंद्रे सिल्वा भी थे। 26 वर्षीय आंद्रे की भी दुर्घटना में मौत हो गई। जोटा पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए भी खेले हैं। वह 2019 और 2025 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुआई में यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पुर्तगाली टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं,सिल्वा निचले डिवीजनों में पुर्तगाली क्लब पेनाफेल के लिए खेले हैं। रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा है कि वलाडोलिड से 70 मील पश्चिम में ए-52 पर ओवरटेक करते समय लेम्बोर्गिनी का टायर फट गया।

विश्व मुक्केबाजी कप

मीनाक्षी और पूजा रानी ने भारत के लिए पदक सुनिश्चित

अस्ताना, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी दल ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रही विश्व मुक्केबाजी कप में दो पदक सुनिश्चित कर दिया हैं। मीनाक्षी (48 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने देश के लिए पदक सुनिश्चित किया है।

मीनाक्षी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की गुओ यी-जुआन के खिलाफ शानदार और प्रभावशाली जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाज ने अपने तीखे फुटवर्क, सटीक मुक्के और रिंग में अपनी शानदार जागरूकता दिखाते हुए 5-0 के साथ सर्वसम्मत जीत हासिल की। मुकाबले की गति को नियंत्रित करने तथा दूरी से स्पष्ट रूप से अंक प्राप्त करने की उनकी क्षमता ने निर्णायकों को किसी भी प्रकार के संदेह से मुक्त रखा। उन्होंने सेमीफाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया और इसके साथ ही अपने लिए कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। भारत की सबसे अनुभवी मुक्केबाजों में से एक पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में स्थानीय गुलसाया येरजान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल जैसे कड़े और अहम मुकाबले में पूजा ने आक्रामकता और नियंत्रण

का मिश्रण करते हुए 4-1 के विभाजित निर्णय के जरिए जीत हासिल की। इस मुकाबले में पूजा ने शुरुआती दौर में दबाव झेला, लेकिन बाद के चरणों में निर्णायक पंच जड़े। आखिरी समय में उनके जोरदार पंच ही उनकी जीत का कारण बने। इस जीत के साथ, उन्होंने पोडियम फिनिश हासिल किया और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचकर इसे स्वर्ण में बदलने की कोशिश करेंगी।

इससे पहले, अनामिका (51 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने तुर्की की आयसेन तस्किन को हराया, जिससे इस भार वर्ग में भारतीय की उम्मीदें जीवित हैं।

पुरुषों की ओर से जदुमणि सिंह ने फिलीपींस के जे. ब्रायन बारिकुआत्रो के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में बहादुरी से मुकाबला किया। जोशीले प्रयास के बावजूद जदुमणि बहुत कम अंतर से हार गए और कड़े मुकाबले के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

चहल ने काउंटी चैंपियनशिप में दिखाया स्पिन का जलवा, आउट होने के बाद बल्लेबाज हुआ हैरान

नॉर्थम्पटन (एजेंसी)। युजवेंद्र चहल काउंटी चैंपियनशिप 2025 में अपनी स्पिन का जलाव एक बार फिर बखेर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करके केंट को शुरुआती झटका दिया। इस दौरान बल्लेबाज भी आउट से हैरान हो गया कि ऐसा हुआ कैसे। केंट के 29/2 पर लड़खड़ाने के साथ चहल की प्रतिभा पूरी तरह से देखने को मिली क्योंकि उन्होंने एक गेंद को अंदर की ओर घुमाया, उसे खूबसूरती से डिप किया और फिर उसे तेजी से स्पिन करके ऑफ स्टंप पर मारा, एक ऐसी शानदार गेंद जिसने बल्लेबाज को हैरान कर दिया और दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। लगातार दूसरे सीजन में नॉर्थम्पटनशायर के साथ वापसी करते हुए चहल का प्रभाव तुरंत ही दिखने लगा है। उम्मीद है कि वह सीजन के अंत तक रेड और व्हाइट बॉल दोनों प्रारूपों में नॉर्थेंट्स के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले साल चहल ने डर्बीशायर के खिलाफ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 9/99 की गेंदबाजी करके सुर्खियां बटोरी थीं और ऐसा लगता है कि वे पहले से ही इस रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से खेल रहे हैं। पिछले साल चहल ने सिर्फ चार प्रथम श्रेणी मैचों में 21 की औसत से 19 विकेट लिए जिससे वे चैंपियनशिप के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में से एक बन गए। उनके मैच जीतने वाले स्पेल ने नॉर्थम्पटनशायर को सीजन के आखिर में महत्वपूर्ण जीत दिलाने में मदद की और ड्रेसिंग रूम के हर कोने से उनकी प्रशंसा भी हुई।

सुपरयूनाइटेड रैपिड शतरंज

गुकेश नें प्रज्ञानन्दा को हराया

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। सुपरयूनाइटेड रैपिड के पहले दिन भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डी ने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की है । गुकेश को पहले राउंड में पोलैंड के यान डूड़ा से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक बार फिर रैपिड में उनके खेल पर सवाल उठ ही रहे थे की उन्होने लगातार दो बाजियों में पहले फ्रांस के अलीरेजा को सफ़ेद मोहरो से और फिर हमवतन प्रज्ञानन्दा को काले मोहरो से पराजित करते हुए शानदार वापसी की । गुकेश नें इन दोनों खेल में समय और आक्रामक शतरंज दोनों का उपयुक्त तालमेल दिखाया और यह जताया की वह इस फॉर्मेट में भी लगातार खुद को बेहतर कर रहे है ।

गिल-जडेजा की शानदार साझेदारी के चलते भारत सम्मानजनक स्कोर की ओर

5 विकेट पर भारत 400 के पार , कप्तान शुभमन गिल का शानदार 157 रन

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को मैच का दूसरा दिन है और पहला सेशन जारी था।

भारत ने पहली पारी में 5 विकेट पर 400 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा नाबाद हैं। दोनों 150+ की साझेदारी कर चुके हैं। जडेजा फिफ्टी और गिल सेंचुरी बना चुके हैं।

भारतीय टीम ने 310/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया। गिल ने 153 और जडेजा ने 72 रन बना लिए थे। बुधवार को यशस्वी जायसवाल ने 87 रन बनाए थे। क्रिस वोक्स को 2 विकेट मिले थे।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 380 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। 95वां ओवर डाल रहे शोएब बशीर की 5वीं बॉल पर गिल ने एक रन लिया और स्कोर 380 रन पहुंचा दिया था।

जडेजा ने स्टोक्स के ओवर में लगातार दो चौके मारे

रवींद्र जडेजा ने 92वां ओवर डाल रहे बेन स्टोक्स के ओवर में लगातार दो चौके मारे। उन्होंने इंग्लिश कप्तान की पहली बॉल पर कवर में चौका लगाया। फिर दूसरी पर कट करके बैकवर्ड पॉइंट से बाउंड्री निकाली। इस ओवर से 8 रन आए।

कप्तान गिल ने दिन की पहली बॉल पर एक रन लेकर रवींद्र जडेजा के साथ शतकीय साझेदारी पूरी की। टीम इंडिया ने 211 के स्कोर पर 5वां विकेट गंवाया था। तब क्रिस वोक्स ने नीतीश कुमार रेड्डी को बोल्ड कर दिया था।

रवींद्र जडेजा ने एजबेस्टन टेस्ट में लगाया अर्धशतक, कोहली और धोनी के खास क्लब में हुए शामिल

दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कड़ी मेहनत से अर्धशतक बनाकर विराट कोहली और एमएस धोनी के क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने प्रतिष्ठित इंग्लिश स्थल पर संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया।भारत द्वारा ऋषभ पंत और नितीश कुमार रेड्डी के महत्वपूर्ण विकेट जल्दी-जल्दी गंवाने के बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने 6 विकेट के लिए शानदार शतकीय साझेदारी की जिससे भारत ने शानदार वापसी की। जब गिल ने एक और टेस्ट शतक बनाया, तो जडेजा ने दूसरे दिन पहले सत्र में शानदार अर्धशतक पूरा किया। इस तरह वह बर्मिंघम में सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में पूर्व कप्तान एमएस धोनी और विराट कोहली के साथ शामिल हो गए। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर इस सूची में पहले स्थान पर हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। धोनी, जडेजा, कोहली, पंत और विश्वनाथ ने बर्मिंघम में दो बार पचास या उससे ज़्यादा रन बनाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि जडेजा उन कुछ भारतीय बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट शतक बनाया है। अगर वह अपने अर्धशतक को शतक में बदल देते हैं, तो यह ऑलराउंडर ऐतिहासिक स्थल पर दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे।

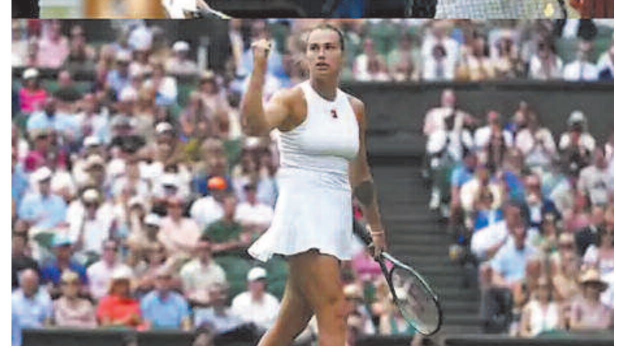

विंबलडन 2025 में अल्काराज का विजयी अभियान जारी

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन के दूसरे राउंड में ग्रेट ब्रिटेन के ओलिवर टार्वेट को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया।

विंबलडन 2025 के तीसरे दिन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटिश एमेच्योर खिलाड़ी ऑलिवर टारवेट को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज ने वर्ल्ड रैंकिंग 733वें नंबर के टारवेट को सिर्फ दो घंटे 17 मिनट में हरा दिया। अल्काराज ने लगातार 20 मैच जीते हैं, जिसमें रोम मास्टर्स, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब के खिताब शामिल हैं।

अल्काराज का टारगेट लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतना है। ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ओपन एरा में लगातार तीन विंबलडन खिताब जीत चुके हैं।

रोजर फेडरर ने सबसे ज्यादा 8 बार विंबलडन खिताब अपने नाम किया है। उसके बाद 7-7 विंबलडन खिताब जीतने का कारनामा पीट सम्प्रास और नोवाक जोकोविच कर चुके हैं।वहीं, विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने 48वीं रैंक की मैरी बौजकोवा को 7-6 (7/4), 6-4 को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। 95 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने 41 विनर लगाए।

डीपीएल की नीलामी से पहले पुरानी दिल्ली 6 ने उठाया बड़ा कदम, ऋषभ पंत को किया रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सीजन के लिए रिटेन करने की घोषणा की है। पंत को मार्की खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया, पूरे लीग चरण में ठोस प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में उनका सफर छोटा हो गया क्योंकि सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

पंत के टीम में बने रहने से उम्मीद है कि टीम 2025 सीजन में और अधिक प्रतिस्पर्धी इकाई बनाएगी। पंत के बारे में बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, 'ऋषभ पंत न केवल विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं। उनका नेतृत्व, अनुभव और प्रतिभा हमें बढ़त दिलाती है। हम उनके ईद-गिर्द एक मजबूत टीम बना रहे हैं और हमें इस साल जीत का पूरा भरोसा है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंत ने कहा, 'डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है और इस लीग को सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। छक्क द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के माध्यम से देश भर के कई खिलाड़ी उभरे और विकसित हुए हैं, जैसे कि दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य और अन्य।

उन्होंने कहा, 'पुरानी दिल्ली 6 वास्तव में घर जैसा लगता है, दिल्ली के प्रशंसकों की जीवंत ऊर्जा और जीतने की बेजोड़ भूख से भरपूर। पिछले साल एक आशाजनक सीजन के बाद, सफल होने का हमारा दृढ़ संकल्प और भी बढ़ गया है और हम इस साल और भी मजबूती से वापसी करने के लिए आशावादी हैं। इस बीच दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइज को शामिल करने की घोषणा की है। बाहरी दिल्ली और नई दिल्ली फ्रेंचाइजी 2025 सीजन में पदार्पण करेंगी, जिससे लीग में छह से बढ़कर 8 टीमें होंगी। आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 जुलाई (पुरुष) और 7 जुलाई (महिला) को राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली है क्योंकि डीपीएल लैंगिक-समावेशी क्रिकेट के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है।

13 छक्के अश्विन ने 48 गेंदों पर मचाया

सबसे बड़ी पारी खेलकर टीम को टीएनपीएल के क्वालिफायर 2...

नई दिल्ली, एजेंसी। वाह भाई वाह. मान गए अश्विन. निभा दी टीएनपीएल 2025 में अपनी टीम डिंडीगुल के लिए सबसे बड़ी भूमिका. ये हुई ना कप्तानों वाली बात. कहते हैं जब मंच बड़ा होता है, तभी परफॉर्मेन्स देने का भी मजा होता है. अश्विन ने भी उसी बड़े मंच का फायदा उठाया है. टीएनपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच जैसे बड़े मौके पर कप्तान होने के नाते उन्होंने अपनी टीम को वाकई फ्रंट से लीड किया है. जब पहले उन्होंने ऐसे गेंद से किया तो हैरानी नहीं हुई क्योंकि उसके तो वो मास्टर हैं ही. लेकिन जो बल्ले से उन्होंने तूफान मचाया, उस देखकर भइया सचमें मजा आ गया.

बल्ले से पहले अश्विन ने गेंद से बरपाया कहर - अश्विन ने टीएनपीएल 2025 में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली है. वो भी सिर्फ 48 गेंदों का सामना करते हुए. हालांकि, इस पारी की बात करें उससे पहले जरा अश्विन के गेंद से मचाए गदर के बारे में जान लीजिए. टीएनपीएल 2025 में 2 जुलाई को डिंडीगुल और चोलाज के बीच एलिमिनेटर मैच खेला गया. इस मैच में ट्रिची ग्रैंड चोलाज ने पहले बैटिंग की. मगर वो 20 ओवर में 150 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके. ऐसा इसलिए क्योंकि अश्विन की कमान में डिंडीगुल के गेंदबाजों ने उन पर नकेल कसे रखी. चोलाज ने 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 140 रन बनाए. इन 9 विकेटों में 3 विकेट अकेले कप्तान अश्विन के रहे. उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देते हुए ये 3 विकेट लिए और मैच में अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. टीएनपीएल 2025 में अश्विन का ये दूसरा बेस्ट बॉलिंग फीगर है. इससे पहले वो 22 रन देकर भी 3 विकेट ले चुके हैं.

13 छक्के बल्ले से 48 गेंदों में मचाया तूफान - अब मैच बड़ा था. मामला एलिमिनेट होने या फिर फाइनल की ओर कदम बढ़ाने से जुड़ा था. तो ऐसे में भला अश्विन सिर्फ गेंद से कहर बरपाकर कहां मानने वाले थे. ऐसे में जब 141 रन का लक्ष्य मिला तो उसे चेज करने के दौरान अश्विन ने अपने बल्ले का जौहर भी खूब दिखाया. अश्विन ने डिंडीगुल के लिए पारी की शुरुआत की और सिर्फ 48 गेंदों में ही इतने रन ठोक दिए कि ये इनिंग टीएनपीएल 2025 में उनकी सबसे बड़ी पारी की वजह बन गई.